वर्ल्ड स्ट्रोक डे आज

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

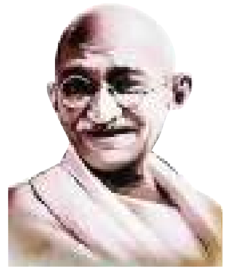

राष्ट्रपिता को नमन...

dainikindoresanket24@gmail.com

इंदौर, बुधवार 29 अक्टूबर 2025

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 02 ■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

2 मंडियों में सिर्फ 100 क्विंटल तक बिका प्याज

5 'मिर्जापुर दि फिल्म' में जादू बिखरेंगी सोनल

6 डिजिटल सत्यापन और आधार कार्ड शामिल करें-दिग्विजय

टीम का ऐलान... सुमित का दिखा दम, विरोध हुआ बेदम

आशीष गुप्ता
(9425064357)

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत

भाजपा ने नगर कार्यकारिणी का ऐलान किया है। इस कार्यकारिणी में 3 महामंत्री, 8 उपाध्यक्ष समेत 33 नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। नगर कार्यकारिणी में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय-रमेश मेंदोला के समर्थकों को ज्याद महत्व दिया गया है। हरप्रीत सिंह बक्शी, सुधीर कोल्हे, भूपेंद्र केसरी, दिप्ती हाड़ा, स्वाती काशिद, राजा कोठारी कैलाश विजयवर्गीय के गुट के गुट के माने जाते हैं। इस बार कुछ नए चेहरों को महत्व दिया गया है। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने विधायकों की पसंद का भी पूरा ध्यान रखा और क्षेत्रीय समीकरणों के हिसाब से ही पद दिए है। स्वाति काशिद सहित 5 महिलाए भी टीम भाजपा में शामिल हुई हैं। सुधीर कोल्हे, कैलाश पिपले और महेश कुकरेजा को महामंत्री बनाया गया है। कोषाध्यक्ष सचिन बंसल बने हैं। मीडिया के लिए पुरानी टीम पर ही मिश्रा ने भरोसा किया है। मीडिया प्रभारी वरुण पाल बने है, जबकि नितिन शर्मा और रितेश शर्मा सह मीडिया प्रभारी बने है।

'दैनिक इंदौर संकेत' ने टीम सुमित के गठन को लेकर चल रही राजनीतिक गतिविधियां, संभावित नामों और गहमा-गहमी को लेकर लगातार खबरें प्रकाशित की थी। कल गठित हुई सुमित मिश्रा की टीम की घोषणा के बाद 'दैनिक इंदौर संकेत' की खबरों पर लगी मुहर

कैलाश-रमेश-गोलू (KRG) का दबदबा

भाजपा की नगर कार्यकारिणी में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय-रमेश मेंदोला के समर्थक हरप्रीत सिंह बक्शी, सुधीर कोल्हे, भूपेंद्र केसरी, दिप्ती हाड़ा, स्वाति काशिद, राजा कोठारी विजयवर्गीय खेमें से जुड़े है। इन नेतागणों को अलग-अलग पद मिले है। मेयर पुष्य मित्र भार्गव के साथी व पूर्व पार्षद भरत पारख को भी उपाध्यक्ष बनाया गया है।

सिलावट के एक समर्थक को जगह

ज्योदिरादित्य सिंधिया के साथ कांग्रेस से भाजपा में आए तुलसी सिलावट समेत कई समर्थक भी भाजपा में शामिल हुए थे, लेकिन इस बार पार्टी ने ज्यादातर सिंधिया- सिलावट समर्थकों को कोई जिम्मेदारी नहीं दी है। राजू चौहान, पवन जायसवाल, मोहन सेंगर जैसे नेता कार्यकारिणी में जगह नहीं बना पाए। नई कार्यकारिणी में सिलावट कोटे से सिर्फ पप्पू शर्मा ही फिर रिपीट हुए है। सांसद शंकर लालवानी, विधायक महेंद्र हार्डिया अपने ज्यादा समर्थकों को स्थान नही दिलवा पाए।

एकलव्य गौड़ को पद नहीं

चार नंबर विधानसभा से महेश कुकरेजा को मालिनी गौड़ महामंत्री पद दिलवाने में सफल रहीं। इंदू श्रीवास्तव का भी राजनीतिक प्रमोशन हो गया। वे मंडल अध्यक्ष थी। उस पद से इस्तीफा देने के बाद उन्हें नगर कार्यकारिणी में शामिल किया गया। पिछली कार्यकारिणी में विधायक पुत्र एकलव्य गौड़ भी थे, लेकिन इस बार उन्हें फिर पद नहीं मिला। भाजपा नेता जीतू जिराती अपने किसी समर्थक को कार्यकारिणी में स्थान नहीं दिलवा पाए। इस नई कार्यकारिणी के साथ एक बार फिर से इंदौर की राजनीति दिलचस्प होती नजर आ रही है।

कालिख पोतने और प्रदर्शन के विवाद की खुली पोल

● इंदौर में बीजेपी नगर कार्यकारिणी की घोषणा के बाद खाती समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया था। अब इस पूरे प्रदर्शन की पोल खुल गई है। इस प्रदर्शन से राऊ के पूर्व विधायक व बीजेपी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती पल्ला झाड़ रहे हैं। लेकिन, यह पूरी टीम उन्हीं के खास लोगों की है। इसमें दफ्तर में अकेले घुसकर नगराधयक्ष सुमित मिश्रा की नेम प्लेट पर कालिख पोतने वाला मिलाप मिश्रा पूरी तरह शराब के नशे में था। रहने वाले और राऊ विधानसभा से जुड़े विश्वसनीय लोगों ने बताया है कि जिस मिलाप मिश्रा ने नेम प्लेट पर कालिख पोती और बाहर पोस्टर पर कालिख लगाई, वह पूरी तरह नशे में था। दोपहर में कार्यकारिणी की घोषणा के बाद जमकर शराब पी गई और फिर प्रदर्शन किया। इसमें कई लोगों ने तो जानबूझकर चेहरे ढके थे ताकि वह पहचान में नहीं आ सके। मिश्रा ही अकेले जोश दिखाकर दफ्तर में घुसा और फिर नेम प्लेट पर कालिख पोती। इसके पहले लोगों ने नारेबाजी की और मिश्रा का पुतला फूंका।

कौन है मिलाप मिश्रा

● मिलाप मिश्रा जीतू जिराती के खास नीलेश चौधरी का एकदम करीबी है। वह 24 घंटे नीलेश के साथ ही रहता है। पूरा मुद्दा नीलेश को ही महामंत्री या अन्य पद नहीं देने से खड़ा हुआ। इस प्रदर्शन में खुद जिराती के सगे दामाद मनीष चौधरी भी मौजूद थे। वे आगे-आगे नारे लगाते हुए नजर आए। इसके साथ ही नीलेश का भतीजा गौरव चौधरी, एबीवीपी के शिवम पटवारी और उनकी टीम भी इस प्रदर्शन में शामिल थे।

विवादों पर सुमित मिश्रा ने दी प्रतिक्रिया

● विवादों पर इंदौर बीजेपी नगराध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि बीजेपी अनुशासित और विचारधारा आधारित संगठन है। जिला कार्यकारिणी का गठन पूरी संगठनात्मक प्रक्रिया और व्यापक परामर्श के बाद किया गया है। पार्टी में प्रत्येक समाज, वर्ग और क्षेत्र के कार्यकर्ताओं का योगदान हमारे लिए अमूल्य है। कार्यकारिणी की घोषणा के बाद कुछ तत्वों द्वारा दुष्प्रचार किया गया। जबकि कई नामों को लेकर इस्तीफों की बात कही गई। उन्होंने स्वयं वीडियो जारी कर इन अफवाहों का खंडन किया है। मीडिया रिपोर्टों में भी यह स्पष्ट हुआ है कि दुष्प्रचार फैलाने वाले कुछ लोगों के संबंध कांग्रेस से जुड़े हुए हैं। बीजेपी में जिम्मेदारियां देना एक सतत और निरंतर प्रक्रिया है। बीजेपी एक परिवार है, यहां हर कार्यकर्ता का सम्मान और स्थान है।

ब्रेकिंग न्यूज

- मुंबई एनसीबी की बड़ी कार्रवाई, ड्रग्स मामले में फरार आरोपी दानिश चिकना गिरफ्तार
- इस सरकार के सारे इंजन फेल हैं- केजरीवाल
- दिल्ली : उस्मानपुर में पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़, गोली लगने से घायल हुआ बदमाश
- उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के नेताओं से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप करेंगे मुलाकात
- सीजफायर के बीच इजरायली सेना ने गाजा में किया स्ट्राइक, 26 फिलिस्तीनियों की मौत
- राष्ट्रपति मुर्मू आज अंबाला पहुंचेंगी, राफेल लड़ाकू विमान में भरेंगी उड़ान

बिहार चुनाव : सर्वे में दोनों गठबंधनों में टक्कर

पटना (एजेंसी) ● एसएएस ग्रुप का सर्वे हैदराबाद स्थित पूर्व आईआईटीयंस ग्रुप द्वारा किया गया है। इसने 5 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक क़रीब 48 हज़ार सैंपल का सर्वे किया। इस ग्रुप ने पिछले बिहार चुनाव में जो सर्वे किया था वो सटीक बैठा था। तब इसने सर्वे में कहा था कि एनडीए को 120-127 सीटें मिलेंगी और एनडीए को 125 सीटें मिली थीं।

ये सर्वे बिहार के 243 विधानसभा क्षेत्रों में हजारों वोटरों के बीच किए गए हैं। ये आँकड़े संकेत देते हैं कि बेरोजगारी और युवा असंतोष मुख्य मुद्दे बन सकते हैं, जो महागठबंधन के पक्ष में जा सकते हैं। दोनों सर्वे में एनडीए और महागठबंधन के बीच कांटे की टक्कर दिख रही है, जहां महागठबंधन को हल्की बढ़त है। बहुमत के लिए 122 सीटें चाहिए और प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज पार्टी को वोट काटने वाला फैक्टर माना जा रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एसएएस ग्रुप के सर्वे में सामने आया है कि 39 फीसदी लोग मानते हैं कि एनडीए की सरकार बनेगी जबकि 41 फीसदी मानते हैं कि महागठबंधन की सरकार बनेगी। 8.5 फीसदी लोग जन सुराज की सरकार बनने के आसार बताते हैं जबकि 5.5 फीसदी लोग कहते हैं कि त्रिशंकु विधानसभा होगी। 6 फीसदी लोगों ने कहा कि कुछ कह नहीं सकते। दोनों सर्वे में पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव अगले सीएम के रूप में सबसे पसंदीदा चेहरा उभरे हैं। नीतीश कुमार की लोकप्रियता में गिरावट दिख रही है, जबकि प्रशांत किशोर तीसरे नंबर पर हैं।

पटवारी और सिंघार के बीच जल्द शुरू होगी पॉडकास्ट प्रतिस्पर्धा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● कांग्रेस के दो कद्दावर नेताओं के बीच सोशल मीडिया पॉडकास्ट प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई है। प्रदेश कांग्रेस दफ्तर में हाल ही में 'वॉइस ऑफ वॉइसलेस' पॉडकास्ट को लेकर स्टूडियों तैयार किया गया है। जिस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित अन्य नेता अपनी बात जनता तक पहुंचाएंगे। जैसे ही यह खबर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार तक पहुंची तो उन्होंने भी अपना पॉडकास्ट 'जनपक्ष' शुरू करने की तैयारी कर ली है। सिंघार के इस पॉडकास्ट का पहला एपिसोड एक नवंबर को प्रसारित होगा। इन दोनों में से कौन-सा पॉडकास्ट जनता के बीच अधिक प्रभाव छोड़ता है, यह भी प्रतिस्पर्धा का हिस्सा माना जा रहा है।

वॉइस ऑफ वॉइसलेस- कांग्रेस का मीडिया मंच-प्रदेश कांग्रेस कमेटी अपने पॉडकास्ट वॉइस ऑफ वॉइसलेस के माध्यम से पार्टी की विचारधारा और सरकार की गलत नीतियों को जनता तक पहुंचाने का दावा कर रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में शुरू हो रहे इस पॉडकास्ट से कांग्रेस आवाज जनता तक सीधे पहुंचाने का काम करेगी। प्रदेश में यह पहली बार हो रहा है कि पार्टी अपना पॉडकास्ट चैनल लॉन्च कर रही है। इसे सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए व्यापक रूप से प्रचारित किया जाएगा।

सिंघार के जनपक्ष से उठेगी जनता की आवाज-कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी अपनी डिजिटल मौजूदगी को मजबूत करने के लिए जनपक्ष विथ उमंग सिंघार नामक पॉडकास्ट की घोषणा कर दी है। उनका यह पॉडकास्ट 1 नवंबर 2025 से शुरू होगा, जिसमें वे जनहित के मुद्दों पर अपनी बात रखेंगे और आम जनता की व्यथा को उजागर करेंगे। उनके पहले एपिसोड का विषय जनसेवा मित्रों की कहानी होगा। सिंघार के अनुसार, जनसेवा मित्रों की यह कहानी सत्ता की संवेदनहीनता और प्रणाली की सच्चाई बयान करती है।

कंगाली दूर करने के लिए फिर जगा निगम टैक्स की वसूली के लिए

जीआईएस सर्वे के बाद भी बड़े पैमाने पर हो रही है टैक्स चोरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम कमिश्नर द्वारा शहर में निगम की टैक्स वसूली को लेकर वार्ड 74 में जो अभियान शुरू किया गया था, इसका तरीका भले ही गलत हो सकता है, लेकिन निगम की कंगाली दूर करने के लिए शहर में शतप्रतिशत टैक्स वसूली जरूरी है। वर्तमान में शहर के कई इलाकों में नेताओं के संरक्षण के चलते बड़े पैमाने पर निगम की टैक्स चोरी हो रही है।

यही कारण है कि जब भी सही टैक्स वसूली को लेकर अभियान चलता है, तो इसका विरोध शुरू हो जाता है। पूर्व में भी मालिनी गौड़ के महापौर कार्यकाल में एक निजी कंपनी द्वारा संपत्तिकर के लिए जीआईएस सर्वे किया गया था। जानकारी के मुताबिक इसमें बड़ी संख्या में गड़बड़ी सामने आई थी और हजारों की संख्या में नोटिस भी जारी किए गए थे, लेकिन बात नोटिस से आगे नहीं बढ़ी, क्योंकि इसका भी पिछले दरवाजे से विरोध शुरू हो गया था।

पूरा टैक्स चुकाने वालों पर बढ़ रहा बोझ-शहर लगातार बढ़ रहा है। लगातार नई कालोनियां कट रही हैं, बड़ी संख्या में लोग बाहर से रहने, पढ़ने और रोजगार के लिए इंदौर आ रहे हैं। छोटे-छोटे प्लाटों पर मल्टी तानकर होस्टल, किराए के मकान तन गए हैं। इससे व्यवस्थाओं पर बोझ तो बढ़ा है, लेकिन निगम की आय जैसे बढ़ना चाहिए वो नहीं बढ़ रही है। कारण की प्लाटों पर हजारों ऐसे अतिरिक्त निर्माण हुए हैं, जो खाते में दर्ज नहीं हुए हैं। कई के तो खाते तक नहीं खुले हुए हैं। वहीं दूसरी ओर छोटे प्लाटों पर होस्टल और मल्टी तन जाने से उस क्षेत्र की सीवर, सफाई व्यवस्था आदि व्यवस्था पर बोझ बढ़ गया है। इसका खामियाजा उन लोगों को उठाना पड़ रहा है, जो पूरा टैक्स ईमानदारी से जमा कर रहे हैं। निगम ने जो

पिछले वर्ष संपत्तिकर बढ़ाया और रेट जोन बदले, इसके कारण टैक्स जमा करने वालों को अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ा है। यदि शहर से शतप्रतिशत टैक्स वसूली होती, तो निगम टैक्स नहीं बढ़ाता और सभी को राहत मिलती। हिम्मत ही नहीं होती निगमकर्मियों की घरों में झंकने की जब भी नगर निगम के राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों पर टैक्स वसूली का दबाव आता है, तो वो उन्हीं घरों में पहुंचते हैं, जो पूर्व से टैक्स दे रहे होते हैं। वहीं दूसरी ओर जो लोग कम संपत्तिकर जमा कर रहे हैं या उनके खाते ही नहीं खुले हैं, उस तरफ झंकाने की भी हिम्मत नहीं कर पाते हैं, क्योंकि उन्हें जानकारी होती है कि इस मकान मालिक पर किस नेता का वरदहस्त है। गलती से इस घर में पहुंच भी जाता है तुरंत उनके पास फोन पहुंच जाता है। कुछ मामलों में निगम कर्मचारी सेटिंग कर मामला टाल देते हैं। वहीं बड़े पैमाने पर आवासीय संपत्तिकर चुकाने वाले व्यावसायिक उपयोग कर रहे हैं, इससे निगम को करोड़ों का नुकसान हो रहा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव कई बार कह चुके हैं और निगम संपत्तिकर के जीआईएस सर्वे परकार्य भी कर रहा है। बड़ा सवाल यह है कि क्या नगर निगम सीमा में जीआईएस सर्वे होने के बाद जो नतीजे सामने आएंगे, उसके मुताबिक समान दृष्टिकोण से प्रत्येक घर निगम संपत्तिकर वसूला पाएंगा और पिछला कई वर्षों का बकाया शुल्क ले पाएगा या फिर वह उन्हीं पर लागू होगा, जो नियमित टैक्स जमा कर रहे हैं और उनका थोड़ा बहुत नस्ती गड़बड़ है।

एक मकान में 50 लोग या एक, कचरा शुल्क एक जैसा

नगर निगम द्वारा डोर टू डोर कचरा गाड़ी के माध्यम से घरों से प्रतिदिन कचरा उठाता है। कचर शुल्क रेट जोन के हिसाब से लिया जाता है, जो न्यूनतम 62 रुपए प्रति माह है। इसमें विडंबना यह है कि किसी मकान में दस किरायेदार भी रह रहे होंगे, तो वहां से भी उतना ही शुल्क लिया जा रहा है, जितना किसी मकान एक परिवार या एक व्यक्ति रह रहा हो। इसमें सुधार करने के बजाए नगर निगम ने जलकर और संपत्तिकर में वृद्धिकर दी। इससे सबसे ज्यादा नुकसान नियमित और पूरा टैक्स जमा करने वालों को हो रहा है।

किसानों को बड़ी राहत

खेत से बिजली लाइन निकलने पर मिलेगा 200 फीसदी मुआवजा

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● मध्य प्रदेश सरकार ने किसानों और सरकारी आवास कब्जे में रखे अधिकारियों-कर्मचारियों से जुड़े दो बड़े फैसले लिए हैं। मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अब हाई टेंशन लाइन बिछाने के लिए अधिग्रहित निजी जमीन के बदले किसानों को कलेक्टर गाइडलाइन का 200ल मुआवजा दिया जाएगा। पहले यह मुआवजा केवल 85ल दिया जाता था। इस फैसले से उन किसानों को बड़ी राहत मिलेगी जिनकी जमीनों से बिजली की उच्च क्षमता वाली लाइनें गुजरती हैं।

नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि जब खेतों के ऊपर से 132 केवी, 220 केवी और 400 केवी की बिजली लाइनें डाली जाती हैं, तो किसानों की निजी जमीन प्रभावित होती है। अब इस जमीन का मुआवजा कलेक्टर गाइडलाइन का दोगुना (200 प्रतिशत) दिया जाएगा। इसके अलावा, टावर के आसपास की एक-एक मीटर भूमि का भी मुआवजा किसानों को मिलेगा, भले ही वह जमीन उनके कब्जे में ही रहे। पहले लाइन बिछाने के लिए दी जाने वाली प्रतिपूर्ति राशि 15 प्रतिशत थी, जिसे अब 30 प्रतिशत कर दिया गया है। 132 केवी लाइन के लिए 28 मीटर, 220 केवी लाइन के लिए 35 मीटर, 400 केवी लाइन के लिए 52 मीटर जमीन अधिग्रहित की जाएगी। कैबिनेट बैठक में एक और अहम फैसला लिया गया कि राजधानी भोपाल में सरकारी मकान आवंटन के बाद स्थानांतरण के बावजूद आवास खाली न करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों से अब 30 प्रतिशत तक पेनाल्टी वसूली जाएगी। अब तक ऐसे मामलों में केवल 10 गुना किराया लिया जाता था, लेकिन अब उसमें 30 प्रतिशत अतिरिक्त दंड जोड़ा जाएगा।

न्यूज इन ब्रीफ

दशा नीमा समाज का अन्नकूट सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री दशा नीमा मण्डल के तत्वावधान में श्री दशा नीमा समाज केअन्नकूट का आयोजन नीमा मांगलिक परिसर, केसरबाग रोड़ पर सम्पन्न हुआ। श्रीनाथ जी का आकर्षण श्रृंगार व 56 भोग के साथ समाजजनों द्वारा शाम 7.30 बजे महाआरती की गई व भजन कीर्तन हुवे । इस अवसर पर संस्था के वरिष्ठजनों का सम्मान भी किया गया ।मंडल के अध्यक्ष ललित नीमा व मंत्री दिलीप नीमा ने बताया की पर्यावरण संरक्षण व प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक का समर्थन करते हुवे अन्नकूट में डिस्पोजल का उपयोग नही किया गया इस उपलक्ष्य पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की पर्यावरण गतिविधि द्वारा नीमा समाज को इस अनुकरणीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया ।

सेमिनार का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के समस्त अशासकीय एवं केंद्रीय विद्यालयों के प्राचार्यों एवं शिक्षकों के लिए पारुल यूनिवर्सिटी वडोदरा गुजरात द्वारा स्थानीय लेमन ट्री होटल में मेंटरिंग एंड केरियर काउंसलिंग टेक्निक्स विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया । सेमिनार को पारुल यूनिवर्सिटी वडोदरा के रजिस्ट्रार एवं मोटीवेटर प्रो.डॉ.पवन द्विवेदी ने संबोधित किया। उन्होंने आज के परिपेक्ष में सबसे पहले नवपीढ़ी को हमको समझने की आवश्यकता है, उनके साथ हमे बैठकर आज के जमाने के हिसाब से उनके साथ व्यवहार करके उनको समझना जरूरी है , उनको उनके हिसाब से केरियर गाइडेंस दिया जाना चाहिए। उनके हिसाब से आज सामान्यत हर बच्चे को कैरियर के संबंध में मात्र आठ दस केरियर ऑप्शन पता है, जबकि आज करीब चार हजार से ज्यादा नए कोर्सेस केरियर के लिए उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि आज भारत में नब्बे प्रतिशत स्कूलों में करियर गाइडेंस के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं दी जाती।

पहली बार मैपकॉस्ट विशेष भूमिका में, ड्रोन-शो होगा अब तक का विशाल विजुअल सेलेब्रेशन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेश का 70वां स्थापना दिवस समारोह बहुआयामी होगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम भव्य और दिव्य रूप में मनाया जाएगा। आगामी एक से तीन नवम्बर तक भोपाल स्थित लाल परेड ग्राउंड में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इस दौरान बहुरंगी शिल्प मेला, सुगम संगीत, नाटक, जनजातीय लोक नृत्य, ड्रोन शो आदि होंगे। समारोह में मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मैपकॉस्ट) पहली बार तकनीकी मार्गदर्शन देकर विशेष भूमिका में सामने आ रहा है। भोपाल के आकाश पर सबसे विशाल विजुअल सेलेब्रेशन पहलीबार दिखाई देगा। मध्यप्रदेश की आध्यात्मिक विरासत, स्थापत्य कला, पयर्टन महत्व और जनजातीय सभ्यता को इस ड्रोन-शो में देखा जा सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्थापना दिवस समारोह के स्वरूप पर इस माह चार बार बैठकों में समीक्षा की है। गहन मंथन और चिंतन के बाद समारोह को मनोरंजन के साथ सार्थक संदेश देने का आयोजन बनाने के उद्देश्य से रचना की गई है। समारोह की थीम उद्योग और रोज़गार वर्ष 2025 के अनुरूप प्रदेश में हुए नवाचारों और विकास के विशेष प्रयासों पर केन्द्रित है।

यूपीएससी की तर्ज पर एक परीक्षा कराई जाएगी- मुख्यमंत्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कर्मचारियों के हितों का ध्यान रखते हुए राज्य सरकार ने 9 साल से लंबित हाउस रेंट अलाउंस का निराकरण कराया है। सरकार की मंशा है कि सभी पात्र अधिकारी-कर्मचारियों के प्रमोशन हों लेकिन प्रकरण अभी कोर्ट में लंबित है। हमें विश्वास है कि प्रदेश के लगभग 4 लाख अधिकारी-कर्मचारियों को जल्द ही पदोन्नति का लाभ मिलेगा। साथ ही नई भर्ती आरंभ कर 2 लाख नए पद भी सृजित किए जाएंगे। यूपीएससी की तर्ज पर एक परीक्षा कराई जाएगी, जिससे अलग-अलग पदों को भरने के लिए कई परीक्षाएं न कराना पड़े। पुलिस भर्ती में तेजी लाने के लिए पुलिस भर्ती बोर्ड बनाया जा रहा है। पुलिस विभाग में 20 हजार पद भरे जाएंगे। भर्ती प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। आंगनबाड़ी पर्यवेक्षकों के 476 नए पद स्वीकृत किए गए हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाओं के 19,504 नए पदों पर पहली बार डिजिटल पद्धति से भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के समान राज्य कर्मचारियों को भी 55 प्रतिशत महंगाई भत्ते का लाभ दिया है।

आवारा कुत्तों के लिए निगम ने भी नहीं बनाया एक भी शेल्टर होम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश सहित अधिकांश राज्यों ने आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जो 22 अगस्त को आदेश जारी किया था उसके मुताबिक शपथ-पत्र नहीं प्रस्तुत किए, जिसके चलते कल सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को कड़ी फटकार लगाते हुए उनके मुख्य सचिवों को तलब किया है। इंदौर में भी आवारा कुत्तों की समस्या लगातार बढ़ी है और 150 से अधिक लोगों को रोजाना आवारा कुत्ते काटते हैं। नगर निगम अपने दावे के अनुरूप एक भी शेल्टर होम का निर्माण नहीं कर पाया। जबकि इस मामले में महापौर ने कोर्ट तक लड़ाई लडने् के दावे भी किए थे।

आवारा कुत्तों के लगातार हमले और उससे जुड़ी शिकायतें लगातार की जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों स्पष्ट निर्देश दिए थे कि आवारा कुत्तों को सार्वजनिक खाना देने पर रोक लगाने के साथ-साथ नगर निगम द्वारा उनके फीडिंग झोन बनाए जाएं और जो कुत्ते खतरनाक हैं उन्हें अलग से शेल्टर होम में रखा जाए। इंदौर में कुत्तों की नसबंदी को लेकर सवाल उठते रहे हैं। कल सुप्रीम कोर्ट ने किसी भी राज्य द्वारा हलफनामा नहीं दिए जाने पर नाराजगी व्यक्त की और सभी मुख्य सचिवों से अब इसकी जानकारी मांगी है। इंदौर में ही नगर निगम ने ना तो नसबंदी का विस्तृत अभियान चलाया और ना ही कोई शेल्टर होम बनाया और ना ही फिडिंग झोन गली-मोहल्ले, कॉलोनियों में तय किए गए। जबकि महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने आवारा कुत्तों की समस्याओं के मद्देनजर हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लडने् के दावे किए थे। मगर सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो गाइडलाइन तय की गई उसका ही पालन इंदौर नगर निगम ने अभी तक नहीं किया। जबकि पूरा शहर इन आवारा कुत्तों से परेशान है। रोजाना ही इससे जुड़े वीडियो, फोटो और खबरें आती है। औसतन 150 से अधिक लोगों को आवारा कुत्तों द्वारा काटा जाता है और हजारों की संख्या में अभी आवारा कुत्ते ऐसे हैं जिनकी नसबंदी भी नगर निगम नहीं कर पाया है। अब देखना है कि सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद नगर निगम क्या कदम उठाता है।

सहायक यंत्री को किया निलंबित

जिले में भावांतर योजना के अंतर्गत सोयाबीन खरीदी का कार्य तेजी से जारी है। जिले की सभी मंडियों में किसानों के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। इसी के तहत सांवेर कृषि उपज मंडी में किसानों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में लापरवाही मिलने पर सहायक यंत्री मनोज चौधरी को निलंबित कर दिया गया है। ज्ञात रहे कि गत दिनों कलेक्टर शिवम वर्मा और अनुविभागीय अधिकारी सांवेर में मंडी का निरीक्षण किया था। निरीक्षण में मण्डी में कृषकों के लिये मूलभूत सुविधाये पानी, कृषक विश्राम गृह, शौचालय एवं भोजन इत्यादि की उचित व्यवस्थायें नहीं पाई गई। निरीक्षण के समय श्री मनोज चौधरी उपयंत्री (प्रभारी सहायक यंत्री) अनुपस्थित पाये गये।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में 202 करोड़ की सब्सिडी वितरित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत अब तक करीब 26 हजार उपभोक्ताओं को अपने घर पर सोलर संयंत्र लगाने पर 202 करोड़ रूपए की सब्सिडी वितरित की गई है। मालवा और निमाड़ में प्रतिदिन पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से उपभोक्ता जुड़ते जा रहे है। प्रति उपभोक्ता तीन किलो वॉट का सोलर ययंत्र लगाने पर अधिकतम 78 हजार रूपए की सब्सिडी केंद्र शासन द्वारा सीधे उपभोक्ता के बैंक खाते में जमा कराई जा रही है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि इंदौर शहर सीमा के करीब बारह हजार एवं जिले के करीब चौदह हजार उपभोक्ताओं को पीएम सूर्यघर मुफ्त योजना से लाभान्वित हो चुके है। शेष जिलों मे इनके लाभान्वितों की संख्या 100 से लेकर दो हजार तक हैं। सिंह ने बताया कि एक किलो वॉट पर तीस हजार , दो किलो वॉट पर कुल 60 हजार एवं तीन किलो वॉट पर अधिकतम 78 हजार की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। मालवा और निमाड़ क्षेत्र में वर्तमान में से 400 से ज्यादा वैंडरों में से किसी का चयन कर उपभोक्ता दो से चार दिनों में सोलर संयंत्र लगा सकते है। सभी औपचारितकता पूर्ण करने पर वर्तमान में केंद्र शासन द्वारा अगले पांच से सात दिनों में सब्सिडी प्रदान की जा रही है। प्रबंध निदेशक सिंह ने बताया कि अक्टूबर के अंतिम सप्ताह तक कंपनी क्षेत्र में सौर ऊर्जा अपनाने वालों की कुल संख्या 43 हजार के करीब पहुंच चुकी है।

इलाज, शिक्षा, रोजगार के आवेदकों को कलेक्टर शिवम वर्मा ने तुरंत दी राहत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रति मंगलवार की तरह इस मंगलवार भी कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई संपन्न हुई। कलेक्टर शिवम वर्मा ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता और मानवीय संवेदनाओं के साथ सुनते हुए कई मामलों का हाथों-हाथ निराकरण किया। वर्मा द्वारा किसी को इलाज के लिए, किसी को शिक्षा के लिए तो किसी को रोजगार के लिए तत्काल सहायता प्रदान की गई।

जनसुनवाई में पारसी मोहल्ला में रहने वाली मंगला सोनकर और उनकी पुत्री ने कलेक्टर से मुलाकात की। मंगला सोनकर ने बताया कि उनके पति आकाश की एक घटना में मृत्यु हो चुकी है और बच्चों की देखभाल में कठिनाई हो रही है। कलेक्टर वर्मा ने बच्ची खुशी की शिक्षा की व्यवस्था करने और गर्भवती मंगला सोनकर के प्रसव खर्च का वहन राज्य शासन द्वारा किए जाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान आलापुर जूनी इंदौर के 71 वर्षीय दयाराम ने बताया कि वे गिरने से घायल हो गए थे और उनके कंधे व कुल्हे में रॉड लगी है, जिससे चलने में कठिनाई हो रही है। उन्हें चलने में सहायक एक विशेष जूते की आवश्यकता है जिसकी कीमत लगभग 4 से 5 हजार रुपये है। कलेक्टर वर्मा ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को तत्काल जूता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। देपालपुर के कीरखेड़ा गांव के भागीरथ पिता सेवाराम ने बताया कि उनकी माता की एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई है। कलेक्टर वर्मा ने उन्हें तत्काल 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की। एक अन्य प्रकरण में बुजुर्ग दंपत्ति दुर्गादास मानकचंद गोयल और उनकी पत्नी ने बताया कि उनके परिजन उन्हें परेशान कर रहे हैं और मकान पर कब्जे की कोशिश कर रहे हैं।

इस पर कलेक्टर वर्मा ने एसडीएम मल्हारगंज को शीघ्र न्याय दिलाने के निर्देश दिए। इसके अलावा गुलाब सिंह पिता बाबू सिंह कुशवाहा के महंगे इंजेक्शन की आवश्यकता के प्रकरण में भी कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक सहायता देने के निर्देश दिए।

इन्दौर विकास प्राधिकरण संचालक मण्डल की बैठक सम्पन्न

मेट्रोपॉलिटन रीजनल डेवलपमेंट व इन्वेस्टमेंट प्लान की गुणवत्ता मॉनिटरिंग कार्य हेतु एजेंसी के लिए होगा चयन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बैठक में शिवम वर्मा, कलेक्टर दिलीप कुमार यादव, आयुक्त, नगर पालिक निगम, प्रदीप मिश्रा, वन मंडलाधिकारी, सी. एस. खरत, मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, इन्दौर, शुभाशीष बेनर्जी, संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश विभाग, सुनील कुमार उदिया, अधीक्षण यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, दिलीप कुमार गाठे (प्रतिनिधि) अधीक्षण यंत्री, मप्र प.क्षे.वि.वि.कं. एवं डॉ. परिक्षित झाड़े मुख्य कार्यपालिक अधिकारी, इ.वि.प्रा. (सदस्य सचिव) उपस्थित थे।

संचालक मण्डल द्वारा इन्दौर विकास प्राधिकरण की नगर विकास योजना टी.पी.एस. -08 में इन्दौर विकास योजना के 60 मी. चौडे एम. आर.-12 के अलाइनमेंट के संशोधन हेतु नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम की धारा 52 (ख) में राज्य शासन को अनुमोदन हेतु प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि एम.आर.-12 के अलाइनमेंट संबंधी प्रस्ताव की स्वीकृति के अभाव में कान्ह नदी पर प्रस्तावित उच्च स्तरीय सेतु निर्माण का कार्य प्रभावित हो रहा है ।

एक अन्य निर्णय में संचालक मण्डल द्वारा इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजनल डेवलपमेंट एवं इन्वेस्टमेंट प्लान के क्षेत्रफल के गठन संबंधी कार्यवाही के अंतर्गत क्षेत्रफल 6631.40 वर्ग किमी. के स्थान पर क्षेत्रफल 9989.69 वर्ग कि.मी. अनुसार आवश्यक कार्य करने संबंधी प्रस्ताव स्वीकृति हेतु शासन को भेजे जाने का निर्णय लिया गया । संचालक मण्डल द्वारा इंदौर महानगर क्षेत्र के लिए इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजनल डेवलपमेंट एवं इन्वेस्टमेंट प्लान की गुणवत्ता मॉनिटरिंग कार्य हेतु एजेंसी के चयन का स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति अनुसार स्कूल ऑफ प्लानिंग आर्किटेक्चर (SPA), भोपाल का चयन इस कार्य हेतु किया गया । एक अन्य निर्णय में इन्दौर विकास प्राधिकारी की विभिन्न योजनाओं में नगर निगम द्वारा अधिरोपित किये गये संपत्तिकर के संबंध में विचार करते हुए समग्र रूप से युक्तियुक्तकरण कर सम्पत्ति कर देयता निर्धारित किये जाने का निर्णय लिया गया ।

प्याज के दामों में भारी गिरावट, कई मंडियों में सिर्फ 100 क्विंटल तक बिका प्याज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एमपी में प्याज के दामों में भारी गिरावट, कई मंडियों में सिर्फ 100 क्विंटल तक बिका प्याज - ताजा आंकड़ों के मुताबिक मध्य प्रदेश की विभिन्न मंडियों में मंगलवार को प्याज की आवक करीब 15,206 टन दर्ज की गई। राज्यभर की मंडियों में प्याज के भावों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कहीं किसानों को बेहतर दाम मिले, तो कहीं भाव नरम रहे। राज्य की सबसे ज़्यादा आवक इंदौर मंडी में रही, जहाँ 6281.7 टन प्याज पहुंचा। वहीं सबसे कम आवक सनाथ, कुराई, कुक्शी, जैसी छोटी मंडियों में दर्ज की गई। मध्यप्रदेश की बदवाह मंडी में किसानों को सबसे ज़्यादा दाम मिला। यहाँ प्याज का भाव 1950 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंचा। इसके अलावा सनावद में भाव 2000 रुपये प्रति क्विंटल, और पिपरिया में अधिकतम 1900 रुपये प्रति क्विंटल रहा। अष्टा, सोयतकलां, देवास और सारंगपुर जैसी मंडियों में प्याज का न्यूनतम भाव 100-150 रुपये प्रति क्विंटल तक ही पहुंच पाया। राज्य की सभी प्रमुख मंडियों में प्याज का औसत भाव करीब 738 रुपये प्रति क्विंटल दर्ज किया गया।

निगम के समस्त जोनल कार्यालय में आज से 15 दिन तक विशेष राजस्व शिविर लगेंगे- महापौर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महापौर पुष्यमित्र भार्गव के निर्देश पर आयुक्त दिलीप कुमार यादव द्वारा निर्देश दिए की निगम के समस्त 22 जोनल कार्यालय पर राजस्व के विशेष शिविर आज से 15 दिन के लिए लगाए जावे । शिविर में संबंधित जोन के सहायक राजस्व अधिकारी, बिल कलेक्टर, कंप्यूटर ऑपरेटर उपस्थित रहेंगे, जो नागरिकों के संपत्ति कर या जल कर के नए खाते, पूर्व से खुले खातों में संशोधन खुलवाना आदि कर सकेंगे इसके साथ ही यदि किसी को जल कर का खाता खुलवाना हो या नया नल कनेक्शन चाहिए तो वह आवेदन कर नया नल कनेक्शन ले सकेंगे।

आयुक्त द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि निगम द्वारा लगाए जा रहे विशेष शिविर में जाकर अपनी संपत्ति का खाता यदि नहीं खुला हो तो नया खाता खुला लें और यदि खाते में कोई संशोधन करना हो तो वह संशोधन भी करा ले , संपतिकार आवासीय दर से जमा किया जा रहा हो और मौके पर संपत्ति का उपयोग व्यवसाय किया जा रहा है तो व्यावसायिक की दर से संपत्ति कर का खाता संशोधन करा ले, जल कर का खाता खुलवाना हो तो खुलवा ले।

आनंद की खोज का नाम-अल्पविराम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद् एवं राज्य आनंद संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में आज श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, गुमास्ता नगर, इंदौर में शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय अल्पविराम परिचय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, आयुष, उद्यानिकी, उद्योग, एमएसएमई, शिक्षा, ग्रामीण आजीविका मिशन, म.प्र. जन अभियान परिषद् तथा कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आनंद की अनुभूति कराना तथा जीवन और कार्य में सकारात्मकता एवं आत्म-संतुलन का भाव बढ़ाना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अमित शाह, विजय मेवाड़ा, राजेश सिसोदिया, स्वामी उज्ज्वल, यश पाराशर एवं डॉ. दिनेश चौधरी उपस्थित रहे।

दीपावली मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ के तत्वावधान में दिवाली मिलन समारोह कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास एवं अल्पाहार एवं मिष्ठान वितरण के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व राज्य मंत्री दिलीप राजपाल ने भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इंदौर, अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ के वरिष्ठ प्रदेश महामंत्री रमेश विश्वकर्मा एवं जिला अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद पांचाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि आज विश्वकर्मा पांचाल समाज का दिवाली मिलन समारोह इंडियन कॉफी हाउस सभा भवन में बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। मंच पर उपस्थित अतिथियों ने अपने विचार प्रस्तुत किये। राज्य में विश्वकर्मा पांचाल समुदाय के 45 लाख मतदाता हैं। एकता के संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया गया। विराट संघ में 50 लोग सदस्य बन चुके हैं। पूरे प्रदेश में सदस्यता अभियान शुरू करने की पहल संगठन के प्रमुख रतलाम से आए ओमप्रकाश चित्रोड़ विश्वकर्मा ने पहल की।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, बुधवार 29 अक्टूबर 2025

न्यूज इन ब्रीफ

अग्रवाल वैश्य एकता प्रकल्प के मिलन समारोह में गौवंश की सेवा का अभियान चलाने का संकल्प

इंदौर ● अग्रवाल वैश्य एकता प्रकल्प के तत्वावधान में चैतन्य भारत और गौसेवा भारती के सदस्यों का दीपावली मिलन समारोह एवं अन्नपूर्णा महोत्सव का आयोजन सुदामा नगर स्थित प्रकल्प के कार्यालय पर महामंडलेश्वर संत दादू महाराज के सानिध्य एवं सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती, भाजपा के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार, समाजसेवी संजय बांकड़ा, कैलाशचंद्र खंडेलवाल, पार्षद जीतू राठोर, महापौर प्रतिनिधि भरत पारख एवं खाती समाज के महेश चौधरी के आतिथ्य में किया गया। सबने गौवंश की सेवा का अभियान चलाने का संकल्प भी व्यक्त किया। अतिथियों ने इस अवसर पर प्रकल्प के अध्यक्ष गौरव अग्रवाल एवं मित्र मंडल द्वारा चलाए जा रहे प्रकल्पों की खुले मन से सराहना की और एक दूसरे को दीपोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की।

मालवा मील अग्रवाल पंचायत के अन्नकूट एवं दीपावली मिलन समारोह में निभाई गई 50 वर्षों पुरानी परंपरा

इंदौर ● श्री मालवा मील अग्रवाल पंचायत द्वारा परंपरागत अन्नकूट महोत्सव एवं दीपावली मिलन समारोह का आयोजन पंचायत भवन पर भगवान श्रीनाथजी को 56 भोग एवं महाआरती के बीच मनाया गया। पंचायत के अध्यक्ष गोविंद गर्ग भमोरी, मंत्री सुशील अग्रवाल एवं उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने बताया कि अपनी 50 वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुरूप सभी अग्र बंधुओं ने अन्नकूट संयोजक विरेन्द्र अग्रवाल, धर्मेन्द्र मंगल गुड्डू एवं विजय गर्ग के संयोजन में एक दूसरे को गले मिलकर बधाई एवं शुभकामनाएं सौंपी। इस अवसर पर पंचायत के कल्याण अग्रवाल, मनोहर अग्रवाल, गोविंद गोयल ने समाजसेवी प्रयोग गर्ग, पीडी अग्रवाल कांट्रेक्टर, निकेत मंगल, टीकमचंद गर्ग, विष्णु बिंदल, गणेश गोयल, संतोष गोयल, गोविंद सिंघल, नारायण अग्रवाल पापड़ वाले, संजय अग्रवाल मंडी, महेश रामचरण मंगल एवं दीपक अग्रवाल बारदान वाले सहित सभी अतिथियों की अगवानी की।

अहिल्या माता गोशाला पर गोपाष्टमी 30 अक्टूबर को, गो भक्त घरों से लेकर आएंगे लड्डू गोपाल

इंदौर ● केशरबाग रोड़ स्थित प्राचीन अहिल्या माता गौशाला पर गुरुवार, 30 अक्टूबर को गोपाष्टमी के उपलक्ष्य में गोमाता पूजन, गो-गोपाल मिलन, गोमाता के अन्नकूट सहित विभिन्न कार्यक्रम होंगे। इस अवसर पर गोशाला आने वाले गो भक्तों को गोशाला में ही उपजे आंवला का निशुल्क वितरण भी किया जाएगा और आधुनिक मशीन से आभा मंडल टेस्टिग सहित गर्भवती माताओं के गर्भस्थ शिशु में श्रेष्ठ संस्कारों के लिए विशेषज्ञ वैद्यों द्वारा गर्भ संस्कार जैसे कार्यक्रम भी होंगे। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी श्रद्धालु अपने साथ घर के लड्डू गोपाल को लेकर गोशाला आएंगे और गो माता से मिलन एवं परिक्रमा का पुण्य लाभ उठाएंगे। गोशाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष राधेश्याम गुरूजी, मंत्री पुष्पेन्द्र धनोतिया एवं संयोजक सी.के. अग्रवाल ने बताया कि गोपाष्टमी पर आधुनिक मशीन से ओरा टेस्टिंग, गर्भ संस्कार, बच्चों के लिए मिट्टी के बर्तन बनाने की कार्यशाला तथा प्राचीन कांसा चिकित्सा पद्धाति द्वारा असाध्य रोगों के उपचार और गोशाला स्थित सप्त गोमाता मंदिर में गोमाता की जीवंत झांकी, तर्पण-अर्पण के लिए चमत्कारिक त्रिवेणी वृक्ष, श्रेष्ठ गुणवत्ता की जैविक खाद, जीव दया की सेवा के लिए पक्षी तीर्थ, गोमाता से जुड़े विशेष पर्वों पर पूजा एवं गोदान के लिए पूजन सामग्री एवं पंडित की निशुल्क व्यवस्था, आयुर्वेद चिकित्सकों के सानिध्य में गर्भधारण परामर्श एवं कार्यशाला सहित विभिन्न आयोजन भी होंगे। पूजन के लिए समुचित सामग्री की सम्पूर्ण व्यवस्था गोशाला में निशुल्क उपलब्ध रहेगी।

कण-कण में कृष्ण और रोम-रोम में राम, राम और कृष्ण के बिना भारत भूमि की कल्पना भी संभव नहीं- पं. ऋषभदेव

इंदौर ● कृष्ण यदि हमारे देश के कण-कण में मौजूद हैं तो राम भी रोम-रोम में व्याप्त हैं। राम और कृष्ण इस देश के जनमानस के प्राणतत्व हैं। राम मर्यादा पुरूषोतम हैं तो कृष्ण लीलाधर। राम और कृष्ण भारत भूमि के पर्याय हैं। इन दोनों अवतारों के बिना भारतभूमि की कल्पना भी संभव नहीं है। राम ने जहां समाज को अंत्योदय का संदेश दिया है वहीं कृष्ण ने कंस प्रवृत्ति का नाश किया है। धर्म की जब-जब हानि होती है, भगवान भारत भूमि पर ही अवतार लेते हैं। ये प्रेरक विचार हैं बालव्यास भागवताचार्य पं. ऋषभदेव महाराज बनारस वालों के, जो उन्होंने सुदामा नगर सेक्टर ए स्थित रामजी सदन, दत्त मंदिर के पास चल रहे संगीतमय भागवत ज्ञान यज्ञ के दौरान उपस्थित भक्तों को राम एवं कृष्ण जन्मोत्सव प्रसंगों की व्याख्या के दौरान व्यक्त किए। कथा में आज पहले राम जन्म और बाद में कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाए गए।

देवी अहिल्या विश्व विद्यालय में डिजिटल वेल्यूएशन की प्रक्रिया एक बार फिर टली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय एक ओर ऑटोमेशन मोड में आने की बात कर रही है वहीं दूसरी ओर अभी तक शिक्षकों को अपग्रेड ही नहीं किया गया। डीएवीवी का डिजिटल वेल्यूएशन करने की प्रक्रिया एक बार फिर से टल गई। अब विश्वविद्यालय अगले सत्र में डिजिटल वेल्यूएशन करने की बात कर रही है। भले ही प्रबंधन कहे कि हम इस दिशा में काम कर रहे हैं लेकिन धरातल पर कुछ भी नजर नहीं आ रहा।

विश्वविद्यालय को डिजिटल वेल्यूएशन के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षकों को प्रशिक्षण देने सहित अन्य कामों में समय लग रहा है। डिजिटल वेल्यूएशन के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण भी देना रहेगा, हालांकि यह काम संबंधित कंपनी का रहेगा जो इस प्रक्रिया को करेगा। जबकि डिजिटल वेल्यूएशन से न केवल रिजल्ट जारी करने में तेजी आएगी बल्कि यह मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता भी लाएगा। हालांकि डीएवीवी में यह प्रक्रिया पहले ट्रायल के तौर पर की गई, लेकिन कई तरह की तकनीकी खामियां सामने आई, जिसके चलते अब निर्णय लिया गया है कि टेंडर के माध्यम से ही प्रक्रिया की जाएगी।

फॉलन आउट अतिथि विद्वानों

की हर महीने की व्यवस्था तय इंदौर। शासकीय महाविद्यालयों में स्वीकृत खाली पद पर फॉलन आउट अतिथि विद्वानों की हर महीने की व्यवस्था मप्र उच्च शिक्षा विभाग ने तय की है। सभी शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य को मप्र उच्च शिक्षा के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. अनिल राजपूत ने पत्र जारी किया है। सभी से कहा है अतिथि विद्वान आमंत्रण संबंधी जारी नीति-निर्देश/ नियम के अनुसार नियमित प्राध्यापक / सहायक प्राध्यापक / सह प्राध्यापक / क्रीड़ाधिकारी / ग्रंथपाल की पदस्थापना और स्थानांतरण से फॉलन आउट अतिथि विद्वानों को शासकीय महाविद्यालयों में स्वीकृत रिक्त पद (आईएफएमआईएस से मैपिंग) पर महाविद्यालय आवंटन के लिए हर महीने की व्यवस्था तय की है। फॉलेन आउट अतिथि विद्वानों को पोर्टल पर विकल्प प्रस्तुत करने के लिए पहला अवसर 1 से 3 तारीख तक दिया जाएगा। वरीयता अनुसार महाविद्यालय का आवंटन 5 तारीख और आवंटित संबंधित महाविद्यालय में उपस्थिति दर्ज करने के लिए 5 से 10 तारीख तक समय रहेगा। इसी तरह दूसरा अवसर विकल्प प्रस्तुत करने के लिए 15 से 18 तारीख महाविद्यालय का आवंटन 20 तारीख और उपस्थिति दर्ज करने के लिए 20 से 25 तारीख तक समय रहेगा। महाविद्यालय की ओर से पोर्टल पर रिक्त पद की स्थिति 25 से 30 तारीख तक अद्यतन किया जाएगा।

शिक्षकों को करना पड़ेगा अपडेट

ऑटोमेशन मोड में आने से पहले विश्वविद्यालय को सबसे पहले शिक्षकों को अपडेट करना पड़ेगा ताकि वे इसे समझ सके और इसका उपयोग कर सके। भले ही विश्वविद्यालय इस दिशा में लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन कई मूलभूत सुविधाओं की कमी भी आड़े आ रही है। प्रबंधन के अनुसार फैकल्टी को ट्रेनिंग देना बहुत जरुरी है। फैकल्टी अपने-अपने विषय में तो पारंगत है लेकिन कम्प्यूटर नॉलेज कम है। उन्हें अवेयर करना बड़ी चुनौती है, जिसमें कई कठिनाइयां भी सामने आने की संभावना है। जब तक सभी ट्रेंड नहीं हो जाते तब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा सकता। विश्वविद्यालय चाहता है कि ट्रेनिंग सेंटर खोला जाए जहां शासकीय महाविद्यालय की फैकल्टी को ट्रेनिंग दी जाए। यहां पर ऑनलाइन परीक्षा संबंधी जानकारी मुहैया करवाई जा सके।

भावांतर योजना - 4 दिन में मध्यप्रदेश में 26 हजार टन हुई सोयाबीन खरीदी, पहला मॉडल भाव 7 नवंबर को होगा घोषित

भोपाल (एजेंसी) ● भावांतर योजना 4 दिन में मध्यप्रदेश में 26 हजार टन हुई सोयाबीन खरीदी, पहला मॉडल भाव 7 नवंबर को होगा घोषित - मध्यप्रदेश में सोयाबीन की बिक्री के लिए लागू की गई भावांतर योजना में 9 लाख 36 हजार 352 किसानों ने पंजीयन कराया है। सोयाबीन का विक्रय 24 अक्टूबर से प्रारंभ हुआ है जो 15 जनवरी 2026 तक किया जाएगा। अभी तक 14 हजार 727 किसानों से 25 हजार 999 टन सोयाबीन खरीदी गई है।

27 अक्टूबर को 7 हजार 981 किसानों से 14 हजार 214 टन सोयाबीन की खरीदी हुई। कृषि उपज मंडी उज्जैन में सर्वाधिक 529, देवास में 512, ताल में 486, इंदौर में 455, खातेगांव में 425, बैरसिया में 396, आगर में 376, सागर में 368, आष्टा में 339 और शाजापुर में 335 टन सोयाबीन की खरीदी हुई।

इस दिन घोषित होगा पहला मॉडल भाव

प्रदेश में सोयाबीन की बुवाई का रकबा वर्तमान में 53.20 लाख हेक्टेयर है। इस वर्ष 55.54 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन का उत्पादन हुआ है। सोयाबीन खरीदी के प्रथम मॉडल भाव की घोषणा 7 नवंबर 2025 को की जाएगी।

अब तक 9.36 लाख किसानों ने कराया पंजीयन

मध्यप्रदेश में 3 से 17 अक्टूबर के बीच चलाए गए पंजीयन अभियान में 9 लाख 36 हजार 352 किसानों ने भावांतर योजना के लिए पंजीकरण कराया। पंजीकृत किसानों की कुल भूमि 22 लाख 64 हजार हेक्टेयर है।

सोयाबीन की खरीद 24 अक्टूबर से शुरू होकर 15 जनवरी 2026 तक जारी रहेगी। इस वर्ष प्रदेश में 53.20 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सोयाबीन की बुवाई हुई, जिससे 55.54 लाख मीट्रिक टन उत्पादन प्राप्त हुआ है।

अखिल भारतीय पारीक महासभा का दीपावली मिलन समारोह में भगवान श्रीनाथजी को लगा छप्पन भोग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अखिल भारतीय पारीक महासभा द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन रविवार को छावनी स्थित मोदी परिसर में किया , इसमें भगवान को 56 भोग लगाकर महाआरती की गई। प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान हुआ। महासभा के अध्यक्ष कैलाश चंद पारीक, सचिव मनीष शर्मा ने बताया कि महासभा का रविवार को आयोजित हुए दीपावली मिलन समारोह में भगवान को 56 तरहो के पकवानों का छप्पन भोग छप्पन भोग लगाया, 108 दीपों से महाआरती हुई। 1500 से अधिक समाजजन ने सम्मिलित होकर भगवान की आराधना की । आयोजन में श्री श्री विद्या धाम के महामंडलेश्वर श्री चिन्मयानंद सरस्वती महाराज, ओखलेश्वर धाम के महंत सुभाष जी महाराज, हंसदास मठ के महंत पवन दास महाराज सहित अन्य मौजूद थे।आयोजन में समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया। महोत्सव में भजन संध्या आयोजित की गई है जिसमें भजन गायक मुकेश महाराज द्वारा भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम में गौरव एमजी पारीक ने सभी का आभार व्यक्त किया।

परमप्रतापी, प्रजापालक एवं परम विद्वान राजराजेश्वर सहस्त्रबाहू अर्जुन भगवान की जयंती धूमधाम से मनाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलचुरी समाज के ईष्ट भगवान राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु की जन्म जयंती कार्यक्रम राजराजेश्वर सहस्त्राजुन धाम ग्राम सुकल्या एम आर 10 टोल नाके स्थित सहस्त्राजुन प्रतिमा पर माल्यार्पण कर धूमधाम से मनाई गई । वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती अर्चना जायसवाल ने कहा कि भगवान सहस्त्रार्जुन को दत्तात्रेय भगवान से 10 वरदान प्राप्त थे, वे परमप्रतापी, प्रजापालक राजा एवं परम विद्वान थे, उन्हें सम्पूर्ण वेदों का ज्ञान था, उन्होंने कहा कि भगवान सहस्त्रबाहु जन्म जयंती संपूर्ण भारतवर्ष में हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाते हुए अन्नकूट एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । संध्या जायसवाल ने समाजजनों को कुरीतियां दूर करने, इन्दौर को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने, मृत्युभोज बंद करने का संकल्प दिलाया । अर्चना जायसवाल,राकेश राय, अनिल जायसवाल, सरोज राय, संध्या राधाकिशन जायसवाल (पार्षद), इत्यादि द्वारा पूजन-अर्चन किया गया। रंगोली सजाई व प्रसादी वितरण की। गन्नी चौकसे ने बताया जयंती पूरे भारतवर्ष में हर्षोल्लास के साथ मनाई जा रही है, प्रभातफेरी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रहलाद जायसवाल, राधेलाल जायसवाल, राजेश चौकसे,बाल गोविंद जायसवाल,दीपक चौकसे,नवीन जायसवाल, अभिषेक चौकसे सहित बड़ी संख्या में स्वजातिगण उपस्थित थे, कार्यक्रम का संचालन राधाकिशन जायसवाल ने किया।

व्यक्ति के जीवन में सरलता आ जाती है तो अहंकार चला जाता - अग्रपीठाधीश्वर - मलुकपीठाधीश्वर स्वामी श्री राजेंद्रदास देवाचार्य महाराज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गुरु अपने शिष्यों को हमेशा अच्छे संस्कार पर चलने की शिक्षा देते हैं, शिष्यों को अच्छे संस्कारों और सत्कर्म मार्ग पर चलना चाहिए, संस्कारों की रक्षा करना चाहिए, अभिमान शून्य होकर सेवा करे, गौसेवा करे,गुरु सेवा करे, उपासना के पथ पर चले, जीवन में सरलता आ जाती है तो अहंकार चला जाता है, व्यक्ति को अपने मन को भगवान के चरण कमलों में लगा देना चाहिए, चित जब भगवान में लग जाएगा तो सारी समस्याओं का समाधान हो जाएगा,जो व्यवहार अनुकूल हो वैसा ही अनुकूल व्यवहार सबसे करना चाहिए,जो व्यक्ति धर्म की रक्षा करता है,धर्म उसकी हमेशा रक्षा करता है,युवा पीढ़ी को अच्छे संस्कार और अच्छी शिक्षा देना चाहिए, वे धर्म के मार्ग पर चले, धर्म, अर्थ, मोक्ष, पुरुषार्थ की प्राप्ति के लिए आरोग्य है, तन के साथ मन भी स्वस्थ रहना चाहिए। ज्ञान बहुत आवश्यक होता है, तेजस्विनिता होना चाहिए, जीवन में भगवान की भक्ति जरुर करना चाहिए, हर व्यक्ति को अपना जीवन रघुनाथजी के चरणों में समर्पित कर देना चाहिए, हर व्यक्ति को सत्कर्म मार्ग पर चलना चाहिए। यह बातें मंगलवार को श्रीमद् जगद्गुरु द्वाराचार्य अग्रपीठाधीश्वर - मलुकपीठाधीश्वर स्वामी श्री राजेंद्रदास देवाचार्य महाराज ने बैकुंठवासी श्रीमती रामप्यारी देवी मेंदोला और स्व. चिंतामणि मेंदोला की स्मृति में नंदानगर स्थित गणेश मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में पांचवें दिन कही।

विद्याधाम पर आज गोपाष्टमी पर गौमाता को परोसे जाएँगे 56 भोग, कल आंवला नवमी पर होगा अन्नकूट महोत्सव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में बुधवार 29 अक्टूबर को गोपाष्टमी पर गौपूजन एवं गौमाता के लिए विशेष अन्नकूट महोत्सव का अनूठा आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर आश्रम से जुड़े हजारों श्रद्धालु 56 भोग के रूप में गोवंश को विभिन्न व्यंजन समर्पित करेंगे। आश्रम पर गुरुवार 30 अक्टूबर को आंवला नवमी पर आंवले के वृक्ष के नीचे 11 विद्वानों द्वारा भगवान विष्णु का पूजन कर माँ भगवती को सांय 6 बजे 56 भोग समर्पित कर महाआरती की जाएगी। देव प्रबोधिनी एकादशी शनिवार 1 नवंबर को तुलसी-शालिग्राम विवाह का आयोजन भी होगा । विद्याधाम पर देश का दूसरा शालिग्राम मंदिर है। पहला मंदिर जम्मू के रघुनाथ मंदिर परिसर में है। बुधवार 5 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा का पर्व भी मनाया जाएगा।

आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा एवं राजेन्द्र महाजन ने बताया कि 29 अक्टूबर को गोपाष्टमी पर गौ पूजन एवं गौ माता के लिए विशेष अन्नकूट महोत्सव मनाया जाएगा, जिसमें गोवंश को छप्पन भोग समर्पित कर महाआरती की जाएगी। विद्याधाम पर पिछले कई वर्षों से परंपरागत रूप से गोपाष्टमी पर गोवंश के लिए 56 भोग समर्पित किए जा रहे हैं। इस बार भी गाय के गोबर से गिरिराज पर्वत एवं भगवान कृष्ण की झांकी सजाकर गौ भक्तों के लिए अपने हाथों से गौ माता को 56 भोग परोसने की व्यवस्था की जा रही है। शाम को 6.30 बजे महाआरती होगी। अनेक श्रद्धालु अपने-अपने घरों से गौमाता के लिए व्यंजन बनाकर लाएँगे। इसी तरह गुरुवार 30 अक्टूबर को आंवला नवमी पर सुबह 10.30 बजे आश्रम परिसर स्थित आंवले के वृक्ष के नीचे महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानन्द सरस्वती के सानिध्य एवं आचार्य पं. राजेश शर्मा के निर्देशन में 11 विद्वानों द्वारा भगवान विष्णु का पूजन किया जाएगा तथा संध्या को 6 बजे माँ भगवती को 56 भोग समर्पित कर महाआरती के पश्चात महाप्रसादी का क्रम शुरू होगा।

राम अग्रपीठ एवं मलूक पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी राजेंद्र दास देवाचार्य पहुंचे छत्रीबाग रामद्वारा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संत और तपस्वी महापुरुष जीवनभर अपनी साधना और तपस्या के बाद जो अनुभूति करते हैं, उसका उपयोग वे भक्तों और समाज की भलाई में करते हैं। संत समाज का मार्गदर्शन कर लोकहित में धर्म के माध्यम से समाज में नौतिक मूल्यों की प्राण प्रतिष्ठा करने के माध्यम बनते हैं।

ये दिव्य विचार हैं राम अग्र पीठ एवं मलूक पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु देवाचार्य राजेंद्र दास महाराज के, जो उन्होंने छत्रीबाग रामद्वारा पहुंचकर वहां प्राचीन संतों की साधना स्थली एवं उनकी समाधि के दर्शन करने के बाद उपस्थित भक्तों को आशीर्वचन देते हुए व्यक्त किए। रामद्वारा ट्रस्ट की ओर से लक्ष्मी कुमार मुछाल एवं रामसहाय विजयवर्गीय ने जगद्गुरु को रामद्वारा ट्रस्ट की गतिविधियों और रामद्वारा से जुड़े संतों के त्याग एवं जीवन साधना का विवरण दिया। इस अवसर पर उनकी अगवानी संत सुखराम महाराज बाड़मेर एवं दिव्येशराम धलपट वालों ने की। रामद्वारा भक्त मंडल की ओर से देवेन्द्र कुमार मुछाल, राजेंद्र असावा, वासुदेव सोलंकी, सुनेर सिंह ठाकुर, भूरा पहलवान, हेमन्त काकानी एवं घनश्याम पोरवाल ने जगद्गुरु का गरिमापूर्ण स्वागत किया।

सम्पादकीय

13,000 से ज्यादा छात्र आत्महत्याएं - पढ़ाई का दबाव या व्यवस्था की नाकामी? कब सुधरेगा तंत्र, कैसे बचेगा भविष्य? सुप्रीम कोर्ट ने मांगा राज्यों से ब्योरा

देश में विद्यार्थियों की आत्महत्या के मामलों में लगातार वृद्धि चिंता का विषय है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों से पूछा है-क्या शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की जिम्मेदारी निभा रहे हैं? शिक्षण संस्थानों का वास्तविक अर्थ है, जहां ज्ञानार्जन के साथ-साथ विद्यार्थियों के भीतर व्यावहारिक कौशल और जीवन में चुनौतियों से मुकाबला करने की मानसिक शक्ति भी विकसित होती है। मगर जब कोई विद्यार्थी अपनी जिंदगी से हार मानने को मजबूर हो जाए, तो इन संस्थानों का महत्त्व क्या रह जाता है? क्या आज के शिक्षण संस्थानों का उद्देश्य सिर्फ किताबी ज्ञान बांटना रह गया है? क्या संस्थानों के प्रबंधन का यह दायित्व नहीं है कि वे अपने परिसर में ऐसा माहौल तैयार करें कि कोई भी विद्यार्थी बिना किसी भेदभाव, परेशानी और तनाव के शिक्षा ग्रहण कर सके? इसी लापरवाही का नतीजा है कि देशभर में विद्यार्थियों की आत्महत्या के मामले साल-दर-साल बढ़ते जा रहे हैं। हालांकि सरकार की ओर से इस तरह की परिस्थितियों से निपटने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, लेकिन उन्हें जमीन पर उतारने की गंभीरता कहीं नजर नहीं आती है। यही कारण है कि अब सर्वोच्च न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और आत्महत्या के मामलों से निपटने के लिए निर्धारित दिशा-निर्देशों के कार्यान्वयन पर आठ सप्ताह के भीतर विस्तृत ब्योरा पेश करने को कहा है। रपट के मुताबिक, वर्ष 2023 में विद्यार्थियों की आत्महत्या के 13,892 मामले सामने आए, जो वर्ष 2013 की तुलना में लगभग पैंसठ फीसद अधिक है। जबकि वर्ष 2019 की तुलना में यह वृद्धि चौंतीस फीसद दर्ज की गई है। समग्र तौर पर देखें, तो वर्ष 2023 में हुई कुल आत्महत्या में विद्यार्थियों की संख्या आठ फीसद से अधिक थी। यह स्थिति वास्तव में भयावह है। विद्यार्थियों की मानसिक स्थिति बिगड़ने के कई कारण हो सकते हैं। मसलन, पढ़ाई का दबाव, शिक्षा संस्थानों में हिंसा और जातिगत भेदभाव या फिर घरेलू एवं आर्थिक परेशानियां। ये ऐसी समस्याएं हैं, जिनका समय रहते समाधान किया जा सकता है। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में 25 जुलाई के अपने फैसले में सरकार और शिक्षा संस्थानों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए थे। शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों की आत्महत्या के मामलों में बढ़ोतरी बेहद संवेदनशील मसला है। सरकार और शिक्षा संस्थानों को विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संकट को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

अमित शाह के भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान के बाद इसे स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को भाजपा कार्यकर्ताओं से आगामी स्थानीय निकाय चुनाव जीतकर राज्य में ट्रिपल इंजन सरकार सुनिश्चित करने का आह्वान किया। निकाय चुनावों में सीटों के बंटवारे को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन सहयोगियों के साथ भाजपा की खींचतान के बीच, शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं को याद दिलाया कि 2014 का विधानसभा चुनाव अलग से लड़ने के बाद भाजपा ने अपने दम पर सरकार बनाई थी। मुंबई के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान, शाह ने कथित तौर पर स्थानीय निकाय चुनावों में शिवसेना और राकांपा के साथ गठबंधन, सीटों के बंटवारे और सत्तारूढ़ सहयोगियों से नेताओं की खरीद-फरोख्त से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। शाह का शहर का दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब दिसंबर 2024 - जनवरी 2025 में नगर निगमों और विभिन्न अन्य स्थानीय निकायों के चुनावों की तैयारियाँ जोरों पर हैं। दक्षिण मुंबई में एक नए भाजपा कार्यालय की आधारशिला रखने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, शाह ने स्पष्ट किया कि पार्टी का लक्ष्य स्थानीय चुनावों में दबदबा बनाना है। उन्होंने यह भी कहा कि सहयोगियों को याद दिलाया जाना चाहिए कि ज़रूरत पड़ने पर पार्टी के पास ज़मीनी स्तर पर अपने दम पर जीतने के लिए पर्याप्त ताकत है। उन्होंने कहा, पार्टी कार्यकर्ताओं को पूरे जोश और ताकत के साथ मैदान में उतरना चाहिए और इतनी मेहनत करनी चाहिए कि निगमों, ज़िला परिषदों और पंचायत समितियों समेत सभी स्थानीय निकायों में पार्टी की जीत हो। उन्होंने आगे कहा, विपक्ष को दूरबीन से भी नहीं देखना चाहिए। देश की जनता भाजपा का स्वागत करने के लिए तैयार है। 2014 के विधानसभा चुनावों से पहले हम चौथे नंबर पर थे, लेकिन 10 साल बाद, हम शीर्ष स्थान पर हैं और पूर्ण बहुमत के साथ सरकार चला रहे हैं।

स्थानीय निकाय चुनावों से पहले, जब पार्टी के अपने सहयोगी दलों के साथ संबंध तनावपूर्ण थे, उन्होंने कहा कि पार्टी अपने पुराने सहयोगी (शिवसेना) से नाता तोड़ने के बाद अपने दम पर जीतने में कामयाब रही। उन्होंने कहा, 2014 में, मैं पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष था और मैं अपने सहयोगी (अविभाजित शिवसेना) के साथ एक सम्मानजनक गठबंधन के पक्ष में था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। भाजपा ने अपने दम पर चुनाव लड़ा और पार्टी ने राज्य को अपना पहला मुख्यमंत्री दिया। तब से, हमने एनडीए के रूप में लगातार तीन चुनाव जीते हैं और देवेंद्र फडणवीस राज्य में सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं।

भाजपा ने वंचितों के साथ दिवाली मनाई; वंचितों के लिए एक दीया अभियान चलाया बताया जा रहा है कि शाह ने भाजपा और एकनाथ

शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के बीच तनावपूर्ण संबंधों की पृष्ठभूमि में अपने पार्टी कार्यकर्ताओं, राज्य नेतृत्व और गठबंधन सहयोगियों को भी एक स्पष्ट संदेश दिया है। नाम न छापने की शर्त पर पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, भाजपा का राज्य नेतृत्व गठबंधन और सहयोगी दलों के नेताओं को पार्टी में शामिल करने पर अपना रुख सार्वजनिक रूप से स्पष्ट कर चुका है। राज्य में चुनावों की कमान संभाल रहे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया है कि कुछ स्थानीय निकायों में वे अकेले चुनाव लड़ेंगे और कुछ में गठबंधन के रूप में लड़ेंगे। नेतृत्व ने यह भी स्पष्ट किया है कि अन्य दलों के नेताओं की खरीद-फरोख्त, जैसे कि हाल ही में तीन पूर्व राकांपा विधायकों को पार्टी में शामिल करना, केवल सहयोगी दलों द्वारा हमारे नेताओं की खरीद-फरोख्त की प्रतिक्रिया नहीं थी। यह रुख केंद्रीय नेतृत्व से हरी झंडी मिलने के बाद अपनाया गया। इसका मतलब है कि भले ही शिवसेना जैसे सहयोगी दल फडणवीस और अन्य के रुख से गठबंधन में नाराज़ हों, लेकिन यह केंद्रीय नेतृत्व की सहमति है। शाह के दौरे के दौरान दिए गए बयान से यह संकेत मिलता है।

भाजपा नेताओं के अनुसार, शाह के मुंबई पहुँचने के बाद रविवार शाम को पार्टी के राज्य और शहर इकाई के नेताओं ने शहर के एक होटल में शाह के साथ बैठक की। केंद्रीय मंत्री ने स्थानीय निकाय चुनावों, खासकर मुंबई सहित मुंबई महानगर क्षेत्र के नगर निगमों, की तैयारियों पर चर्चा की। ऊपर उद्धृत नेता ने कहा, शाह ने नेताओं से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि ज़्यादातर निकाय महायुति द्वारा जीते जाएँ, भले ही भाजपा अकेले न जीत पाए, क्योंकि इससे पार्टी को मतदान और चुनावी मशीनरी में धांधली के विपक्ष के दावे को खारिज करने में मदद मिलेगी। शाह ने राज्य नेतृत्व को गठबंधन पर फैसला लेने की पूरी छूट भी दे दी है। शाह ने राज्य के नेताओं से कहा है कि अगर सत्तारूढ़ सहयोगी सीटों को लेकर अड़े रहते हैं तो गठबंधन पर दबाव न डालें। उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे, कुछ स्थानीय निकायों में भाजपा के अकेले चुनाव लड़ने के फैसले से स्वाभाविक रूप से नाराज़ हैं। शिंदे, स्वास्थ्य क्षेत्र की योजनाओं के लिए एक अलग वॉर रूम बनाने के मुख्यमंत्री के फैसले से नाखुश हैं, जबकि स्वास्थ्य विभाग का नेतृत्व शिवसेना नेता प्रकाश अबितकर कर रहे हैं। शिवसेना नेतृत्व ठाणे में भाजपा की बढ़ती ताकत से भी नाखुश है। माना जा रहा है कि शिंदे ने पिछले हफ्ते दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान ये मुद्दे उठाए थे। एक शिवसेना नेता ने बताया, शिंदे ने मुंबई में दो कार्यक्रमों में शाह के साथ राजनीतिक मुद्दों पर संक्षिप्त चर्चा की, जिनमें दोनों नेता एक साथ शामिल हुए थे। लेकिन दोनों के बीच कोई औपचारिक मुलाकात नहीं हुई। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने इसे फडणवीस के नेतृत्व वाले राज्य नेतृत्व पर छोड़ दिया है, जिन्होंने गठबंधन पर पहले ही स्पष्ट कर दिया है। चुनाव नज़दीक आने के साथ ही दोनों गठबंधन सहयोगियों के बीच दरार और बढ़ने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव पिछले चार-पांच साल से स्थगित हैं . इन स्थगित चुनावों के लिए समय सीमा बढ़ाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दायर किया गया था । सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में चुनाव आयोग के अनुरोध पर सुनवाई की थी । सुप्रीम कोर्ट ने समय सीमा 31 जनवरी, 2026 तक बढ़ा दी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि 31 जनवरी के बाद कोई और समय सीमा नहीं दी जाएगी।

राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव कई कारणों से स्थगित कर दिए गए थे, जिसमें ओबीसी आरक्षण का मुद्दा भी शामिल था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव पर लगी रोक हटा दी थी। मई में कोर्ट ने चुनाव आयोग को चार महीने के भीतर यानी अक्टूबर 2025 तक चुनाव प्रक्रिया पूरी करने का आदेश दिया था। तदनुसार, आयोग ने वार्ड की पुनर्रेखांकन, आरक्षण और मतदाता सूची तैयार करने पर काम शुरू कर दिया था। हालांकि, राज्य सरकार ने ईवीएम, त्योहारों और कर्मचारियों की कमी को कारण बताया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने समय सीमा 31 जनवरी, 2026 तक बढ़ा दी। इससे साफ हो जाता है कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव अगले साल होने हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने अब राज्य सरकार के लिए राज्य में स्थानीय निकायों, अर्थात् नगर निगमों, नगर पालिकाओं, जिला परिषदों और नगर पंचायतों के लिए चुनाव प्रक्रिया को पूरा करने की समय सीमा बढ़ा दी है। तदनुसार, राज्य सरकार को अब 31 जनवरी, 2026 से पहले स्थानीय निकाय चुनाव प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय निकाय चुनाव चार महीने के भीतर कराने का आदेश दिया था। हालांकि, इस समय सीमा को समाप्त होने के बावजूद, एक भी स्थानीय निकाय चुनाव नहीं हुआ है। इस मामले पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इसके बाद अदालत ने राज्य सरकार से पूछा कि चुनाव प्रक्रिया में इतना समय क्यों लग रहा है। राज्य सरकार द्वारा अपना पक्ष रखने के बाद, अदालत ने अब राज्य सरकार को 31 जनवरी, 2026 तक सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं, जिला परिषदों और नगर पंचायतों के लिए 31 जनवरी तक चुनाव कराने का समय दिया है। इसलिए, राज्य चुनाव आयोग को सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं, जिला परिषदों और नगर पंचायतों के लिए चुनाव कराना चाहिए और 31 जनवरी तक उनके परिणाम घोषित करने चाहिए।

ज्ञात हो कि इससे पहले 22 अगस्त 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग और महाराष्ट्र सरकार को स्थानीय निकायों की चुनाव प्रक्रिया के संबंध में यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया था। इससे पहले महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका में शीर्ष अदालत के उस आदेश को वापस लेने की मांग की गई थी, जिसमें राज्य चुनाव आयोग को निर्देश दिया गया था कि नई आरक्षण नीति उन 367 स्थानीय निकायों पर लागू नहीं होगी, जहां चुनाव प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। इसके बाद सरकार ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर अपने आदेश को वापस लेने या उसमें संशोधन की मांग की थी। शीर्ष अदालत ने 28 जुलाई 2022 को राज्य चुनाव आयोग को चेतावनी दी थी कि अगर उसने स्थानीय निकायों के लिए चुनाव प्रक्रिया को फिर से अधिसूचित किया तो उसके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले राज्य सरकार स्थानीय निकाय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाला अध्यादेश लेकर आई थी। इससे पहले दिसंबर 2021 में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि स्थानीय निकायों में ओबीसी के लिए आरक्षण की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि सरकार शीर्ष अदालत के 2010 के आदेश में निर्धारित ट्रिपल टेस्ट को पूरा नहीं करती। कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि जब तक ट्रिपल टेस्ट मानदंड पूरा नहीं हो जाता, तब तक ओबीसी सीटों को सामान्य श्रेणी की सीटों के रूप में फिर से अधिसूचित किया जाएगा। ट्रिपल टेस्ट के लिए राज्य सरकार को प्रत्येक स्थानीय निकाय में ओबीसी के पिछड़ेपन पर डेटा एकत्र करने, आयोग की सिफारिशों के आलोक में प्रत्येक स्थानीय निकाय में आरक्षण के अनुपात को निर्दिष्ट करने और यह सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित आयोग का गठन करने की आवश्यकता थी कि ऐसा आरक्षण एससी/एसटी/ओबीसी के लिए आरक्षित कुल सीटों के 50 प्रतिशत से अधिक न हो।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

बैंकाक की फैशन डिजाइनर कर रहीं नर्मदा परिक्रमा, किया पूजा-अर्चना, कहा-थाईलैंड में भी होली-दिवाली मनाती हूं

दैनिक इंदौर संकेत

खरगौन • खरगोन जिले के नावडातोड़ी क्षेत्र में मंगलवार को एक खास दृश्य देखने को मिला। थाईलैंड की राजधानी बैंकाक से आई 50 वर्षीय फैशन डिजाइनर हरदेवी उर्फ हूरा तनवानी नर्मदा परिक्रमा की यात्रा पर निकली हैं। उनके साथ पुणे की दंत चिकित्सक डॉ. मानसी जाधव भी इस आध्यात्मिक यात्रा में शामिल हैं।

हरदेवी सनातन धर्म से गहराई से प्रभावित हैं और उसी भावना के साथ मां नर्मदा की परिक्रमा कर रही हैं। शालीवाहन शिव मंदिर परिसर में संजय शर्मा सहित कई श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत किया। पूजा-अर्चना और नर्मदा आरती के बाद, मंगलवार सुबह वे अपनी यात्रा के अगले पड़ाव गुजरात के लिए रवाना हुईं।

बैंकाक में भी हिंदू त्योहार मनाती हैं

हरदेवी ने बताया कि उनका परिवार 1947 के बाद थाईलैंड में बस गया था, लेकिन आज भी भारतीय परंपराओं से उनका गहरा जुड़ाव है। उन्होंने कहा कि वे खुद को सनातनी हिंदू मानती हैं और बैंकाक में दीपावली, होली, नवरात्र और जन्माष्टमी जैसे सभी पर्व पूरे विधि-विधान से मनाए जाते हैं।

आजादी के बाद बैंकाक में बस गया परिवार

फैशन डिजाइनिंग के अलावा, हरदेवी बैंकाक के गीता आश्रम में वैदिक ग्रंथ भी सिखाती हैं। उनके बच्चे नियमित रूप से गायत्री मंत्र और हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने मां नर्मदा की परिक्रमा का संकल्प लिया था, लेकिन परिवार ने उन्हें अकेले यात्रा करने से रोका।

सोशल मीडिया पर मिलीं यात्रा साथी

इसी दौरान, सोशल मीडिया के माध्यम से उनकी मुलाकात पुणे की दंत चिकित्सक डॉ. मानसी जाधव से हुई। डॉ. मानसी ने इस यात्रा को जीवन का आध्यात्मिक अनुभव बताया और कहा कि इस दौरान उन्हें भारतीय ग्रामीण संस्कृति और जीवनशैली को

यूपी का हथियार तस्कर 3 पिस्टल के साथ गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • पुलिस ने इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर देशगांव में रूधि बायपास के पास से एक हथियार तस्कर को पकड़ा है। आरोपी उत्तर प्रदेश के जालौन क्षेत्र का रहने वाला है और उसके कब्जे से 3 देसी पिस्टल बरामद की गई हैं। आरोपी ने बताया कि वह खरगोन जिले के बमनाला क्षेत्र से पिस्टल खरीदकर यूपी ले जा रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट में केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस की गाड़ी देखकर भागा तो पकड़ा गया

मामले में देशगांव चौकी पुलिस ने यह कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि खरगोन से खंडवा आ रही बस में एक तस्कर सवार है और वह देशगांव में उतर गया है। सूचना पर

पुलिस ने हाईवे पर गाड़ी घुमाई तो आरोपी तस्कर फोरलेन के नीचे सर्विस रोड पर पैदल चलता दिखा। उसने फोरलेन पर दौड़ रही पुलिस की गाड़ी को देख लिया और उसके बाद भागने लगा। इसी दौरान पुलिस की उस पर नजर पड़ गई और वह पहचान में आ गया। पुलिस ने निर्माणाधीन रूधि बायपास मार्ग पर अंडरब्रिज के पास से आरोपी को पकड़ लिया।

यूपी के जालौन का रहने वाला है आरोपी

आरोपी की पहचान खजान सिंह पिता पुत्तु सिंह लोधी (43) निवासी ग्राम डिकोली जागीर, थाना रामपुरा, जिला जालौन (उत्तरप्रदेश) के रूप में हुई है। उसके पास से 3 देसी पिस्टल मिलीं। पुलिस ने शाम 7 बजे आरोपी को हिरासत में लिया और थाने लेकर आई।

बोला- बेरोजगार हूं, इसी काम से कमाई कर लेता हूं

आरोपी खजान सिंह ने पुलिस पूछताछ में बताया कि, गांव में उसके पास खेती है, वह खेती के साथ मजदूरी करता है। लेकिन कुछ समय से मजदूरी नहीं मिल रही थी, बेरोजगार था इसलिए इस धंधे में उतर गया। उसने बताया कि उसे जानकारी मिली थी कि मध्यप्रदेश के खरगोन में सस्ते दाम में पिस्टल मिल जाती है। वह वहीं पिस्टल लेने आया था और 5-5 हजार रुपए में इन्हें खरीदा था। इन्हें यूपी में जाकर वह 10 से 15 हजार रुपए में बेच देता।

कहां से खरीदी पिस्टल, आरोपी ने नहीं बताया

चौकी प्रभारी राजेंद्र सोलंकी के अनुसार, आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट में केस दर्ज कर उससे पूछताछ की जा रही है। फिलहाल आरोपी ने यह नहीं बताया कि उसने पिस्टल किससे खरीदी है। उसे सिर्फ बमनाला क्षेत्र का नाम याद है, बाकी वह पिस्टल देने वाले सिकलीगर का नाम नहीं जानता है। उन्होंने कहा कि इन्वेस्टिगेशन के दौरान यह क्लियर हो जाएगा।

मानदेय न मिलने से आशा कार्यकर्ता नाराज, कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शनए नारेबाजी की

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • आशा कार्यकर्ताओं और आशा सुपरवाइजरों ने मानदेय न मिलने पर मंगलवार दोपहर कलेक्ट्रेट पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी मांगों को लेकर अधिकारियों को एक ज्ञापन भी सौंपा। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि उन्हें अगस्त और सितंबर माह का मानदेय अब तक नहीं मिला है। इस कारण उन्हें अपने परिवारों का पालन-पोषण करने में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आशा कार्यकर्ताओं ने बताया कि पिछले महीने दीपावली और दशहरे जैसे बड़े त्योहार थे, लेकिन मानदेय न मिलने के कारण वे इन त्योहारों को आर्थिक कठिनाइयों के चलते ठीक से नहीं मना पाईं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में पूरी निष्ठा से काम किया है, फिर भी उन्हें उनका हक नहीं मिला।

ज्ञापन में उन्होंने अधिकारियों से जल्द से जल्द बकाया मानदेय का भुगतान कराने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि आने वाले समय में भी कई त्योहार हैं, जिसके लिए उन्हें पैसों की आवश्यकता होगी। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता और सुपरवाइजर मौजूद रहीं।

युवक की हार्ट अटैक से मौत, खाना खाने के बाद पानी पीने उठा और अचानक गिर पड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हार्ट अटैक से मौत की पुष्टि हुई है। मामला पदमनगर क्षेत्र के संजय नगर का है। मृतक की पहचान 25 वर्षीय प्रितेश नीलकंठ के रूप में हुई है, जो इलेक्ट्रीशियन का काम करता था। परिजनों के मुताबिक, सोमवार रात करीब साढ़े 10 बजे प्रितेश ने खाना खाया और पानी पीने के लिए उठा, तभी अचानक जमीन पर गिर पड़ा। परिवार वाले उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि परिजनों ने प्रारंभिक जानकारी में हार्ट अटैक की बात कही थी, जो पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी सामने आई है। हालांकि रिपोर्ट की पूरी जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मंडी कर्मचारियों का प्रदेशव्यापी आंदोलन 15 दिन के लिए स्थगित, सरकार ने मांगे मानने दिया आश्वासन

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • मध्यप्रदेश में मंडी कर्मचारियों का प्रस्तावित आंदोलन फिलहाल टल गया है। राज्य सरकार से सकारात्मक चर्चा और मांगों के निराकरण के आश्वासन के बाद संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने आंदोलन 15 दिनों के लिए स्थगित करने का निर्णय लिया है। कर्मचारियों ने 24 अक्टूबर से प्रदेश की 259 मंडियों में काली पट्टी बांधकर काम करना शुरू किया था और 29 अक्टूबर को भोपाल में धरना देने की घोषणा की थी। लेकिन किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग मंत्रालय में सचिव के साथ हुई बैठक के बाद मोर्चा ने आंदोलन स्थगित कर दिया। बैठक में राज्य सरकार ने संयुक्त संघर्ष मोर्चा की प्रमुख मांगों पर बिंदुवार चर्चा की और 15 दिनों के भीतर उनके निराकरण का आश्वासन दिया। इसके बाद मोर्चा ने प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन स्थगित करने की घोषणा की।

बुरहानपुर में संयुक्त संघर्ष मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर संतोष सिंह दीक्षित ने बताया कि सरकार ने भावांतर भुगतान योजना के मूल्य स्तरीकरण कोष के तहत राज्य गारंटी देने और ब्याज राशि का भार शासन द्वारा वहन करने पर सहमति जताई है, जिससे मंडी बोर्ड पर कोई आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा। दीक्षित ने कहा कि सरकार की ओर से मिले लिखित आश्वासन के बाद आंदोलन स्थगित किया गया है। यदि तय समय सीमा में मांगें पूरी नहीं हुईं तो 15 दिनों बाद फिर से आंदोलन शुरू किया जाएगा।

मोर्चा ने स्पष्ट किया है कि अब प्रदेश की सभी मंडियां पहले की तरह किसानों के लिए खुली रहेंगी और नियमित कामकाज जारी रहेगा।

पहले टी20 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

कैनबरा (एजेंसी) ● सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने हाल में एशिया कप जीता है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं । वहीं मेजबान टीम को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। भारतीय टीम की बल्लेबाजी सूर्यकुमार के अलावा अभिषेक शर्मा , शुभमन गिल, तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ियों पर आधारित रहेगी। अभिषेक और शुभमन की सलामी जोड़ी इस सीरीज में भारतीय टीम को आक्रामक शुरुआत देना चाहेगी। अभिषेक की तूफानी बल्लेबाजी से भारतीय टीम के पास बड़े स्कोर बनाने का अवसर रहेगा। वहीं गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह के पास रहेगी। स्पिनर के तौर पर टीम के पास कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ी हैं जिनका सामना करना कंगारुओं के लिए आसान नहीं रहेगा। बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने हाल के महीनों में नई गेंद और डेथ ओवरों में शानदार नियंत्रण दिखाया है। अगर वह और बुमराह दोनों तेज गेंदबाज अपनी लय पा लें, तो ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों के लिए

रन बनाना कठिन हो पाएगा।

वहीं दूसरी ओर मिचेल मार्श की कप्तानी में उतर रही मेजबान टीम की बल्लेबाजी ट्रैविस हेड, मार्कस स्टोइनिस, और टिम डेविड पर आधारित रहेगी। वहीं स्पिन की जिम्मेदारी अनुभवी एडम जम्पा की अनुपस्थिति में तनवीर सांगा। संभालेंगे। तेज गेंदबाजी की कमान जोश हेजलवुड संभालेंगे । उनका साथ सीन सीन एबॉट व नाथन एलिस देंगे।

आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक कुल 32 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें भारतीय टीम का पलड़ा भारी है। उसे 20 मुकाबले में जीत मिली है, जबकि ऑस्ट्रेलिया केवल 11 मैच ही जीत पाई है और एक मैच का परिणाम नहीं निकला है। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर भारत ने कुल 12 मैच खेले हैं, जिसमें उसे 7 में जीत मिली है जबकि ऑस्ट्रेलिया को 5 मैच में जीत मिली है। वहीं दोनो टीमों के बीच पिछले छह में से पांच मैचों में भारतीय टी जीती है।

इंग्लैंड-अफ्रीका में महिला वर्ल्ड का पहला सेमीफाइनल आज

गुवाहाटी (एजेंसी) ●लीग चरण में कुछ करीबी जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम का महिला वनडे विश्व कप के अंतिम-4 में इंग्लैंड से भिड़ेगी। इंग्लैंड की टीम चार बार की वर्ल्ड चैंपियन है। अगर दक्षिण अफ्रीकी टीम को उसके सामने कड़ी चुनौती पेश करनी है, तो उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दक्षिण अफ्रीका को लीग चरण में जिन दो मैच में हार का सामना करना पड़ा था, उन दोनों में उसके बल्लेबाज नाकाम रहे। इन दोनों अवसरों पर उसकी बल्लेबाजी स्पिन के सामने बिखर गई। अपने पहले मैच में 69 रन पर आउट होने के बाद निराश दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अच्छी वापसी की। उसने न्यूजीलैंड, भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका और पाकिस्तान पर करीबी जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाई। स्पिन के खिलाफ उसके बल्लेबाजों का संघर्ष ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम लीग खेल में फिर से सामने आया, जिसने उन्हें 24 ओवरों में सिर्फ 97 रन पर ढेर कर दिया। इंग्लैंड एक बार फिर उसकी इस कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेगा और दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को रोकने के लिए न केवल अपनी ऑलराउंड ताकत पर बल्कि अपनी स्पिन तिकड़ी सोफी एक्लेस्टोन, लिंसे स्मिथ और चार्ली डीन पर भी निर्भर करेगा।तेज गेंदबाज लॉरेन बेल को शुरू में दबाव बनाना होगा, जबकि एलिस कैप्सी अच्छी लय में हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक पांच विकेट लिए हैं।

सिने जगत

'मिर्जापुर दि फिल्म' में जादू बिखरेंगी सोनल

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री सोनल चौहान ने अमेजन प्राइम वीडियो की लोकप्रिय सीरीज मिर्जापुर के फिल्म वर्जन 'मिर्जापुर दि फ़िल्म' में अपनी एंट्री की आधिकारिक घोषणा कर दी है। सोनल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक्सेल एंटरटेनमेंट की ओर से मिले गिफ्ट हैम्पर और एक नोट की झलक शेयर की। नोट में लिखा था प्रिय सोनल, हमें खुशी है कि आप 'मिर्जापुर' की टीम का हिस्सा बनी हैं। स्क्रीन पर आपका जादू देखने का इंतज़ार है। इसी पर प्रतिक्रिया देते हुए सोनल ने कहा कि अभी भी यकीन नहीं हो रहाः इतनी शानदार और गेम-चेंजिंग यात्रा का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। मिर्जापुर दि फ़िल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक है और मैं इंतज़ार नहीं कर सकती कि आप सब स्क्रीन पर क्या देखने वाले हैं।

फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' कोई साधारण प्रेम कहानी नहीं : रश्मिका

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' जल्द ही रिलीज होने वाली है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। रश्मिका ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह कोई साधारण प्रेम कहानी नहीं, यह आपको सोचने पर मजबूर कर देगी। फिल्म द गर्लफ्रेंड का ट्रेलर रिलीज। फिल्म में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ अभिनेता धीक्षित शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं। 2 मिनट 39 सेकंड के ट्रेलर में रश्मिका भूमा के किरदार में और धीक्षित विक्रम के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं, फिल्म में अनु इमैनुएल का किरदार भी अहम है। फिल्म तेलुगु के साथ-साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में भी रिलीज की जाएगी। ट्रेलर में दिखाया गया है कि विक्रम (धीक्षित) को एक टॉक्सिक, डॉमिनेटिंग, घमंडी, हिंसक और शक्की बॉयफ्रेंड के रूप में दिखाया गया है, जबकि भूमा एक साधारण और सहज लड़की है, जो एक टॉक्सिक रिश्ते के बोझ में दबी है। ट्रेलर की शुरुआत में रश्मिका (भूमा) झिझकते हुए विक्रम से कहती है कि क्या हम थोड़ा ब्रेक ले सकते हैं? जिस पर रिएक्ट करते हुए विक्रम कहता है, ब्रेक का मतलब एक से ब्रेक है।

उज्जैन संभाग

निगम कर्मी ने की अभद्रता, पार्षद धरने पर बैठे, पीएम आवास योजना में नाम शामिल करने मांगी रिश्वत

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन● उज्जैन नगर निगम के जोन 1 में एक कर्मचारी ने वार्ड 2 के हितग्राही से प्रधानमंत्री आवास के नाम पर रिश्वत मांगी और पार्षद से अभद्रता कर दी। इसके विरोध में पार्षद हेमंत गेहलोत ने जोन कार्यालय में धरना दिया तो निगम आयुक्त ने कर्मचारी को निलंबित कर दिया। पार्षद ने इस मामले में थाने में शिकायत भी दर्ज कराई है। मामला वार्ड 2 के हितग्राही मांगीलाल पांचाल से जुड़ा है। निगम के जोन 2 (पीपली नाका) में पदस्थ कर्मचारी दिनेश बामनिया पर प्रधानमंत्री आवास योजना में नाम शामिल करने के लिए 15 हजार रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप है।

मांगीलाल पांचाल ने इसकी जानकारी पार्षद हेमंत गेहलोत को दी। मंगलवार को पार्षद गेहलोत इसी संबंध में जोन कार्यालय पहुंचे और दिनेश बामनिया से चर्चा की। आरोप है कि चर्चा के दौरान कर्मचारी आक्रोशित हो गया और उसने पार्षद के साथ हाथापाई करते हुए अभद्रता की। इसके विरोध में पार्षद जोन कार्यालय के गेट पर ही धरने पर बैठ गए।

बात करने पहुंचे तो अभद्रता कर दी

घटना की सूचना मिलने पर नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने अपर आयुक्त पवन सिंह को मौके पर भेजा। महापौर मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष कलावती यादव और अन्य पार्षद शिवेंद्र तिवारी, सत्यनारायण चौहान, गब्बर भाटी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति पर चर्चा की।

पार्षद गेहलोत ने बताया कि उनके वार्ड के रहवासी मांगीलाल पांचाल से प्रधानमंत्री आवास के लिए 15 हजार रुपए मांगे गए थे। जब वे कर्मचारी दिनेश बामनिया से बात करने पहुंचे, तो उसने उनके साथ अभद्रता और हाथापाई शुरू कर दी। गेहलोत ने निगम आयुक्त को अवगत कराने के साथ ही एफआईआर के लिए आवेदन भी दिया है। नगर निगम अध्यक्ष कलावती यादव ने बताया कि पार्षद हेमंत गेहलोत के साथ जोन कार्यालय में कर्मचारी द्वारा अभद्रता की शिकायत मिली थी। उन्होंने मौके पर आकर पूरी जानकारी ली। निगम आयुक्त ने संबंधित कर्मचारी को निलंबित कर जांच बैठा दी है। यादव ने यह भी बताया कि जानकारी मिली है कि उस कर्मचारी ने पहले भी अन्य लोगों के साथ ऐसी ही हरकतें की हैं। आगे नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बारिश से खेत तालाब बने, मंडी में सोयाबीन भीगा, मटर और प्याज की फसलों में नुकसान की आशंका

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन● उज्जैन जिले के कई हिस्सों में शनिवार से सोमवार तक तीन दिन हुई तेज बारिश से किसानों को मटर और प्याज की फसलों में नुकसान की आशंका है। खेतों में जल भराव होने के चलते किसानों की चिंता बढ़ गई है। बारिश के कारण बड़नगर कृषि मंडी में खुले में रखा 500 बोरी सोयाबीन भीग गया। इधर ग्रामीण क्षेत्र में खेतों में भरे पानी और फसलों के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

उज्जैन के खाचरौद और बड़नगर क्षेत्र के गांव कुम्हारवाड़ी, चिरोला, संडावदा और भीकमपुर सहित आसपास के एक दर्जन गांव में हुई अचानक तेज बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी हैं। शनिवार को हुई बारिश से क्षेत्र के कई खेतों में जल जमाव है। दो दिन से पानी भरा होने के चलते मटर और प्याज की फसल को नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।बड़नगर में सोमवार को हुई तेज बारिश से व्यापारियों की सोयाबीन की करीब 500 बोरियां माल गीला हो गया। किसानों का कहना है कि मंडी में माल रखने के लिए टीन शेड की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। व्यापारियों के गोदामों पर टीन विहीन शेड पर खुले आसमान के नीचे तुलाई की जा रही है। सोमवार शाम हुई तेज बारिश के कारण मंडी में किसानों और व्यापारियों का 500 क्विंटल सोयाबीन गीली हो गई।

खाचरौद तहसील के भीकमपुर गांव के किसान नरसिंह गुर्जर ने बताया कि बारिश से खेतों में पानी भर गया है। केवल 40 से 45 मिनट की की बारिश में ही खेतों में भरा गया था। इधर सोमवार को भी उन्हेल और आसपास के इलाकों में तेज बारिश हुई। जिससे किसानों को आर्थिक संकट जैसी स्थिति बन गई है। वहीं चिरोला के किसान लाला चौधरी ने बताया कि करीब एक घंटे तक लगातार बारिश होने से खेत पूरी तरह पानी में डूब गए हैं। कुछ किसानों की फसलें नष्ट होने की संभावना है।

जमीन विवाद में चले लात-घूंसे, दुकान में रखीं कुर्सियां फेंककर मारीं, पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ किया प्रकरण दर्ज

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन● उज्जैन जिले के नरवर क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच सड़क पर जमकर लात-घूंसे चले। दुकान में रखी कुर्सियां एक-दूसरे पर फेंकी गईं। इस दौरान अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। नरवर थाना प्रभारी बीएल मंडलोई ने बताया कि नरवर के रहने वाले नौशाद पटेल और अरबाज एक ही परिवार के हैं। दोनों के बीच काफी समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। कुछ दिन पहले जमीन की बात करने के लिए नौशाद, अरबाज के घर पर गया था। जहां विवाद और बढ़ गया।

रविवार को जब नौशाद मां और अपने भाई के साथ नरवर चौपाटी से गुजर रहा था, तो अरबाज और उसके तीन साथियों ने उसे रोके लिया। इसी बात पर दोनों में फिर मारपीट हो गई। बीच-बचाव करने पहुंची नौशाद की मां इस दौरान गिर पड़ीं।

मामले की जांच कर रही पुलिस

थाना प्रभारी मंडलोई ने बताया कि दोनों पक्षों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। पूर्व में भी इनके बीच मारपीट हो चुकी है। दो दिन पहले हुई झड़प के बाद दोनों का मेडिकल परीक्षण भी कराया गया था। पुलिस अब वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

आगर मालवा कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी 63 शिकायतें-अधिकारियों को तुरंत निराकरण के निर्देश दिए

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा ● आगर मालवा में कलेक्टर प्रीति यादव ने मंगलवार को साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया। इस दौरान उन्हें नागरिकों से कुल 63 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर उन्होंने सुनवाई की। कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर आरपी वर्मा, डिप्टी कलेक्टर किरण बरबड़े और प्रेम नारायण परमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।ग्राम बंजारी बल्डी के बनेसिंह ने एक आम रास्ता बंद किए जाने की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि गांव का एक व्यक्ति उनके परिवार को शासकीय आम रास्ते से निकलने नहीं दे रहा है।

इन आवेदनों पर की सुनवाई

कलेक्टर ने इस आवेदन को पुलिस विभाग को निराकरण के लिए सौंपा। ग्राम लाडवन के बजेसिंह ने अपने बिजली बिल में सुधार के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि आटा चक्की कनेक्शन का जून माह का बिल त्रुटिवश 19,557 रुपए आया है। कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधीक्षण यंत्री को बिल संशोधन की कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

ग्राम दमदम के देवीसिंह ने अपनी वृद्धावस्था पेंशन शुरू करवाने की मांग की। उनका कहना था कि नियमानुसार आवेदन करने के बावजूद उन्हें पेंशन नहीं मिल रही है। कलेक्टर ने संबंधित आवेदन जनपद सीईओ नलखेड़ा को निराकरण के लिए भेजा। कस्बा बड़ौद के महेश नील ने शिकायत की कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सफाई मित्र के रूप में कार्य करने के बावजूद उन्हें पिछले 11 माह से मानदेय नहीं मिला है।

कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) को जांच कर बकाया मानदेय का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इस जनसुनवाई के दौरान प्राप्त अन्य आवेदनों पर भी अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

शहरी मतदाताओं की भी घर-घर जाकर करेंगे जांच, सूची फ्रीज

शहर में अभी 2625 मतदान केन्द्र, नए 585 की अनुमति मांगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • बिहार चुनाव से पहले भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जो एसआईआर मतदाता सूची का कराया गया, यानी विशेष गहन पुनरीक्षण, वह अब इंदौर सहित पूरे मध्यप्रदेश और 12 राज्यों में चलेगा। रात 12 बजे के बाद इंदौर की मतदाता सूची भी फ्रीज कर दी गई और 10 अक्टूबर को जो मतदाता सूची का प्रारुप तैयार हुआ था उसके मुताबिक 28 लाख 66207 मतदाताओं की जांच के लिए दल घर-घर पहुंचेगा। आज से ही इसका प्रशिक्षण शुरू हो गया और 10 बजे सभी कलेक्टरों की वीडियो कान्फ्रेंस भी आयोग ने ली।

बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर गणना फॉर्म भी उपलब्ध करवाएंगे और आज सुबह 10 बजे आयोग ने सभी कल`क्टरों की वीडियो कान्फ्रेंस भी ली और उसके बाद दोपहर 2 बजे कलेक्टर कार्यालय में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की बैठक भी रखी है, जिसमें एसआईआर-2025 के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। बिहार की तरह इंदौर और मध्यप्रदेश में भी इस 22 साल बाद हो रहे सर्वे को लेकर राजनीतिक हंगामा मचेगा, क्योंकि सभी नागरिकों को अपने दस्तावेज दिखाना पड़ेंगे। 2003 की मतदाता सूची में अगर नाम शामिल है तो उनके साथ बच्चों को भी दस्तावेज दिखाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इंदौर के जिला निर्वाचन कार्यालय के मुताबिक, फिलहाल 2625 बूथ पर बीएलओ ये सर्वे का कार्य करेंगे और 585 जो नए बूथ बनाने की मंजूरी आयोग से मांगी गई है, अगर वह मिल जाती है तो फिर बूथों की संख्या बढकर 3210 हो जाएगी। चूंकि मतदाता सूची की सुधार की प्रक्रिया अब निरंतर चलती है, जिसके चलते अभी पिछले दिनों तक जो नाम घटे या बढ़े उसके आधार पर 1 अक्टूबर के मान से 10 अक्टूबर को मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया था, जिसके आधार पर इंदौर जिले की सभी 9 विधानसभा में 28 लाख 66 हजार 207 मतदाता हैं, जिनमें थर्ड जेंडर मतदाताओं की संख्या 988 बताई गई है और 2025 की अनुमानित आबादी 45 लाख 14 हजार 948 मानी गई है।

230 विधानसभा सीटों पर होगा सत्यापन

मध्यप्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों पर एसआईआर की प्रक्रिया तुरंत प्रभाव से आयोग ने शुरू कर दी है। इन सभी सीटों की मतदाता सूची को भी आधी रात को फीज कर दिया है। यानी अब ना तो नाम जोड़े जा सकेंगे। अब बूथ लेवल ऑफिसर और निर्वाचन से जुड़े अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच करेंगे। इंदौर की सभी 9 विधानसभा सीटों पर यह अभियान चलेगा और प्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों पर कुल मतदाताओं की संख्या 5.74 करोड़ है और मतदान केन्द्रों की संख्या 65 हजार 14 है। 1 लाख 19 हजार 940 बीएलओ, 762 सहायक रिटर्निंग ऑफिसर और 55 जिला निर्वाचन अधिकारी पूरे प्रदेश में तैनात हैं। 2.92 करोड़ पुरुष और 2.78 करोड़ महिला मतदाताओं की संख्या है। बिहार की तरह मध्यप्रदेश में भी एसआईआर को लेकर राजनीतिक बवाल भी मचेगा, क्योंकि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी पार्टियों ने इस सर्वे का विरोध किया। बावजूद इसके बिहार में इसी आधार पर विधानसभा चुनाव कराए जा रहे हैं और मध्यप्रदेश में भी 2028 में जो विधानसभा चुनाव होंगे वह भी इसी एसआईआर सर्वे के आधार पर कराए जाएंगे।

एसआईआर को लेकर उठे सवाल

डिजिटल सत्यापन और आधार कार्ड शामिल करें-दिग्विजय

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल • मध्यप्रदेश में प्रत्येक मतदाता की पहचान की दोबारा जांच होगी। भारत निर्वाचन आयोग ने सोमवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की शुरुआत की घोषणा की। इस प्रक्रिया के तहत प्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों के मतदान केंद्रों की वोटर लिस्ट को नए सिरे से परखा जाएगा।

इधर एसआईआर के दूसरे चरण पर कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि एसआईआर के संबंध में हमारी मांग स्पष्ट है। पहली, हमें जो मतदाता सूची दी जा रही है, उसमें मशीन द्वारा पढ़ी जा सकने वाली सूची होनी चाहिए ताकि हम डिजिटल रूप से सत्यापित कर सकें कि किसी व्यक्ति का नाम दो या तीन जगहों पर है या नहीं। दूसरी, उन्होंने (चुनाव आयोग ने) जो प्रमाण पत्र मांगे हैं, उनमें आधार कार्ड को शामिल नहीं किया गया हैज् हम इसका विरोध करते हैंज् यह प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है कि उसका नाम मतदाता सूची में जोड़ा जाए। इसकी जिम्मेदारी और कर्तव्य चुनाव आयोग का है।

यह निर्वाचन आयोग की विशेष प्रक्रिया है। इसमें 18 वर्ष से अधिक आयु के नए मतदाताओं का पंजीकरण किया जाएगा। साथ ही मृत, स्थानांतरित, या डुप्लिकेट नामों को हटाया जाएगा। साथ ही गलत पते या नाम की त्रुटियों का सुधार किया जाएगा। इसके लिए बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर फॉर्म भरवाना और पहचान सत्यापन।

प्रदेश में करीब 5.74 करोड़ मतदाता

मध्य प्रदेश में कुल मतदाता करीब 5.74 करोड़ हैं। प्रदेश में 65,014 पोलिंग बूथ, 1 लाख 19 हजार 940 बीएलओ, 762 सहायक रिटर्निंग ऑफिसर और 55 जिला निर्वाचन अधिकारी हैं। वहीं, जानकारी के अनुसार प्रदेश में 2.92 करोड़ पुरुष मतदाता और 2.78 करोड़ के करीब महिला मदताओं क संख्या हैं। प्रदेश में आयुवार मतदाताओं की संख्या में 18-19 वर्ष के 11 लाख 19 हजार 161, 20 से 29 वर्ष के 1 करोड़ 33 लाख 88 हजार 424, 30 से 39 वर्ष के 1 करोड़ 51 लाख 44 हजार 883, 40 से 49 वर्ष के 1 करोड़ 15 लाख 28 हजार 407, 50 से 59 वर्ष के 81 लाख 31 हजार 709, 60 से 69 वर्ष के 48 लाख 15 हजार 858 और 70 से 79 वर्ष के 22 लाख 11 हजार 505 मतदाता हैं। इसी तरह 80 वर्ष से अधिक उम्र के प्रदेश में कुल 7 लाख 52 हजार 420 मतदाता हैं।

अकील ने पहले हाय किया, फिर किया बेड टच, वीसी से दर्ज होंगे खिलाड़ियों के बयान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर में ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों से छेड़छाड़ का आरोपी अकील जेल में है। इससे पहले पुलिस से पूछताछ में उसने बताया- कुछ साल पहले जयपुर में एक विदेशी महिला से हाथ मिलाया था। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को देखा तो लगा कि वह उनसे भी उसी तरह मिल सकता है।

अकील ने बताया कि वारदात के दिन वह बाइक से पिता को सत्य सांई नगर छोड़ने गया था। उसके बाद उसने शराब पी। रास्ते में रोबोट चौराहे पर जब विदेशी महिला खिलाड़ी दिखीं तो बाइक पर ही उन्हें हाय किया। रिटर्न जवाब मिलने पर उसका हौसला बढ़ा और सेल्फी लेने के दौरान उसने बेड टच कर दिया। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलियाई टीम के सुरक्षा मैनेजर ने पुलिस को बयान दिया है कि दोनों खिलाड़ी बिना सिक्योरिटी के ही जाना चाहती थीं, इसलिए पुलिस उनके साथ नहीं गई। छेड़छाड़ की शिकार हुई ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट खिलाड़ियों को इंदौर की एमआईजी थाना पुलिस समंस जारी करेगी। इसके बाद उन्हें कोर्ट में हाजिरी की तारीख पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के लिए लिंक भेजी जाएगी। इस लिंक से वे कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिए उपस्थित होकर अपना पक्ष रखेंगी। एमआईजी थाने के टीआई सीबी सिंह ने बताया- आरोपी अकील के खिलाफ एफआईआर में टीम मैनेजर द्वारा दोनों खिलाड़ियों के प्राथमिक बयान-कथन दर्ज करवा दिए गए हैं। अब हम कोर्ट में चालान डायरी पेश करने के दौरान महिला खिलाड़ियों की उपस्थिति के लिए समंस जारी करेंगे।

यह समंस ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों को ई-मेल किया जाएगा। कोर्ट में जब भी प्रकरण की सुनवाई होगी, उसकी डेट संबंधित खिलाड़ियों को देकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में जज के समक्ष हाजिर करवाया जाएगा।

छेड़छाड़ का आदी, 12 अपराध दर्ज, कई पेंडिंग-आरोपी अकील पिता इम्तियाज शेख पर छेड़छाड़ के 12 अपराध दर्ज हैं। कई शिकायतें थाने में पेंडिंग हैं। वह 4 महीने पहले ही उज्जैन की भैरवगढ़ जेल से 10 साल की सजा काटकर इंदौर आया था। पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने आरोपी को पकड़ने के लिए 5 थाने- परदेशीपुरा, एमआईजी, विजयनगर, लसूड़िया और खजराना की टीमों को लगाया था। पुलिस टीम के मेंबरों को हिदायत दी गई थी कि आरोपी के पकड़े जाने तक किसी तरह की जानकारी बाहर नहीं जानी चाहिए।

सौ से अधिक ब्लाक व उप ब्लाक में युवा कांग्रेस अध्यक्ष के लिए कोई दावेदार नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल • मध्य प्रदेश के लिए युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव, जिलों के अध्यक्ष, जिला महासचिव, ब्लाक अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्षों की घोषणा दिल्ली से 30 या 31 अक्टूबर को हो सकती है। प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा नवंबर में होगी। चौंकाने वाली बात यह है कि कांग्रेस संगठन की दृष्टि से प्रदेश में बने एक हजार ब्लाक व उप ब्लाकों में अध्यक्ष पद के लिए सौ से अधिक में किसी ने दावेदारी ही नहीं की, इस कारण इन ब्लाकों में अध्यक्ष की घोषणा अभी नहीं हो पाएगी।

पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी वर्ष 2028 में प्रस्तावित मध्य प्रदेश विधानसभा और 2029 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से बूथ स्तर तक सशक्त संगठन खड़ा करने पर बल दे रहे हैं, पर पार्टी के लिए चिंता की बात यह है कि ब्लाकों में युवा कांग्रेस का नेतृत्व संभालने के लिए आगे आने वालों की कमी है। ज्यादा खराब स्थिति अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) विधानसभा सीटों के अंतर्गत आने वाले ब्लाकों की है।

विधानसभा चुनाव में 230 में से 66 पर सिमटने और लोकसभा चुनाव में सभी 29 सीटें हारने के बाद कांग्रेस इन दोनों वर्गों में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए कई आंदोलन और अभियान चला चुकी है। इसके बाद भी

जिन युवाओं के बूते पार्टी भाजपा को मात देने का दम भर रही है, उनकी बेरुखी पार्टी के लिए बड़े संदेश की तरह है।

कभी कांग्रेस के गढ़ रहे शिवपुरी जिले की पांच विधानसभा सीटों के 26 ब्लाक व उप ब्लाकों में 14 में युवा कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के लिए कोई सामने नहीं आया। यह केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रभाव वाला क्षेत्र है। यहां एससी के लिए आरक्षित करेरा विधानसभा सीट को कांग्रेस ने सात ब्लाक में बांटा है।

इनमें नरवर छोड़ दें तो बाकी में किसी ने दावेदारी नहीं की। कई जगह विधानसभा अध्यक्ष और जिला महासचिव बनने में भी युवाओं ने रुचि नहीं ली है। सवाल यह है कि जब कोई अध्यक्ष बनने को तैयार नहीं है तो बूथ स्तर तक युवा कांग्रेस का संगठन इस सीट पर कैसा होगा यह साफ है।

दावा 15 लाख से ज्यादा की सदस्यता का, वैध छह लाख ही

पहली बार आनलाइन सदस्यता और मतदान से देशभर में इन पदाधिकारियों का चुनाव हो रहा है। मध्य प्रदेश में 15 लाख 37 हजार नए सदस्य बनाने का दावा था, पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) की जांच में छह लाख ही वैध सदस्य मिले हैं, जबकि दस्तावेज अपूर्ण होने के कारण चार लाख की सदस्यता होल्ड हैं।

6 करोड़ की शेयर ट्रेडिंग धोखाधड़ी में बड़ी कार्रवाई

बेंगलुरु से ऑडी कार जब्त आरोपी का परिवार भी शिकंजे में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शेयर ट्रेडिंग के जरिए तीन महीने में पैसा दोगुना करने का झांसा देकर करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह पर इंदौर क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी मोइनुद्दीन को बेंगलुरु से गिरफ्तार करने के बाद अब उसकी एक लग्जरी ऑडी कार भी जब्त कर ली है। जांच में पता चला है कि आरोपी ने धोखाधड़ी की रकम अपने परिवार के सदस्यों के खातों में भी ट्रांसफर की थी, जिन्हें अब सह-आरोपी बनाया गया है।

यह मामला करीब 15 दिन पहले दर्ज हुआ था, जब पांच शिकायतकर्ताओं ने क्राइम ब्रांच से संपर्क किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि मोइनुद्दीन ने उनसे शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 6 करोड़ रुपये से अधिक की रकम ली और फिर गायब हो गया।

मुंबई में ऑफिस खोलकर दिया झांसा-एडिशनल डीसीपी (क्राइम ब्रांच) राजेश दंडोतिया के अनुसार, आरोपी मोइनुद्दीन ने निवेशकों को लुभाने के लिए मुंबई में एक

आलीशान ऑफिस खोला था। जब उसे पर्याप्त निवेश मिल गया, तो उसने अचानक ऑफिस बंद कर दिया, अपना फोन स्विच ऑफ कर लिया और पता बदलकर फरार हो गया। इसके बाद पीड़ित निवेशकों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

इंदौर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मामला- सिर्फ स्वच्छता नहीं सुरक्षा में भी No.1 बनेगा इंदौर, बोले पुष्यमित्र भार्गव, आरोपी अकील की सज़ा के लिए सीएम से की यह मांग

पुलिस ने तकनीकी जांच और खुफिया जानकारी के आधार पर आरोपी को बेंगलुरु से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

परिवार के खातों में भेजे 80 लाख रुपये-पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने ठगी की रकम से आलीशान जिंदगी जीने के लिए संपत्ति अर्जित की थी। इसी रकम से खरीदी गई ऑडी कार को पुलिस ने बेंगलुरु से जब्त किया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछताछ में पता चला है कि उसने अपनी पत्नी, बहन और साले के बैंक खातों में भी पैसे ट्रांसफर किए हैं। इन तीनों के खातों में करीब 80 लाख रुपये भेजे जाने के सबूत मिले हैं, जिसके बाद उन्हें भी मामले में आरोपी बनाया गया है। क्राइम ब्रांच अब आरोपी और उसके परिवार के सदस्यों के बैंक खातों को खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि धोखाधड़ी से अर्जित की गई अन्य संपत्तियों की भी पहचान कर उन्हें जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मामले में आगे की जांच जारी है।

पांच दिनों में ही साढ़े चार हजार दस्तावेजों का हुआ पंजीयन

जीएसटी की राहत ने पंजीयन विभाग को दीपावली पर दिलाए 71 करोड़

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • दीपावली के त्योहार ने इस बार रजिस्टर विभाग को पिछले वर्ष की तुलना में दो से तीन गुना तक का राजस्व दिलाया है इंदौर उज्जैन विकास, सांवेर क्षेत्र, व सिहस्थ को लेकर चल रहे विकास कार्यों के बाद तेजी से प्रॉपर्टी खरीदी देखी गई है और इस बार दीपावली की लंबी छुट्टियां को देखते हुए छुट्टी के पहले ही विभाग की झोली भर गई। पांच दिनों में इंदौर के रजिस्ट्रेशन कार्यालयों में रिकॉर्ड तोड़ रजिस्ट्री हुई। 4499 दस्तावेजों के रजिस्ट्रेशन से विभाग को 71 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है।

पिछले वर्ष की तुलना में यह आंकड़ा लगभग तीन गुना ज्यादा है। वर्ष 2024 की दीपावली अवधि में सिर्फ 2161 दस्तावेजों की रजिस्ट्री हुई थी, जिससे 26 करोड़ 71 लाख रुपए की ही वसूली हो पाई थी, लेकिन जीएसटी में कमी और इंदौर के आसपास के क्षेत्र में तेजी से विकसित हो रही कॉलोनियों के आसपास विकास कार्य को देखते हुए इस त्योहार पर भी अच्छी खासी खरीदी देखी गई है।

रजिस्टर कार्यालय को त्योहार शुरू होने के पहले ही 13 अक्टूबर से सलॉट कमी महसूस होने लगी थी जिन्हें बढ़ाया गया और त्योहार खत्म होने तक रजिस्ट्री

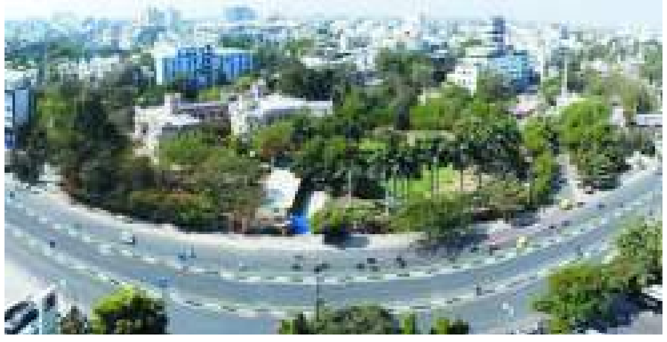

का आंकड़ा बढ़ता गया 4499 दस्तावेज तो सिर्फ दीपावली के पहले 13 से 17 अक्टूबर के बीच ही प्राप्त हो गए थे, वहीं धनतेरस और भाईदूज तक यहां आंकड़ा लगभग 80 करोड़ के पास निकल गया। त्योहारी सीजन में रजिस्ट्री कराने के लिए लोगों की भीड़ इस बार ज्यादा रही। नवरात्रि से अभी दिवाली के पहले तक हर दिन ऑनलाइन अप्वाइंटमेंट रहे हैं, वही करीब 10 दिन में 100 करोड़ से ज्यादा की रजिस्ट्री पूरी हो गई है।

शुभ मुहूर्त में घर खरीदने के लिए लोग पहले से ही स्लाट बुकिंग कर रहे थे, जिसके चलते शहर के सभी उपपंजीयकों के कार्यालय में यह सिलसिला अभी छुट्टियों के पहले तक चलता रहेगा। अफसरों का कहना है कि त्योहार का सीजन होने की वजह से रजिस्ट्री रात 8 बजे तक की गई।

सर्वर आने-जाने की परेशानी से जूझते रहे लोग

ऑनलाइन प्रक्रिया के चलते संपदा 2.0 में ही दस्तावेजों का पंजीयन हो रहा है, लेकिन वेंडरों से लेकर दस्तावेज पंजीयन कराने वाले लोग घंटों सर्वर की तकलीफ से जूझते रहे। पहले तो स्लाट मिलता नहीं और अगर मिल भी जाता है तो मुश्किलें दस्तावेजों के पंजीयन को लेकर हो जाती, क्योंकि ऐनवक्त पर सर्वर बंद हो जाता है, इसके चलते बाहर से आने वाले लोगों को कई बार आने-जाने की तारीखें बदलना पड़ीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।